प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

दुनिया का सबसे बेहतरीन रिश्ता वही होता है, जहां एक हल्की सी मुस्कुराहट और छोटी सी माफी से जिंदगी दोबारा पहले जैसी हो।

बी.के. शिवानी

वर्ष-05, अंक - 03 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 20 अक्टूबर 2022 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

सफलतम 4 वर्ष पूर्ण... स्नेहिलजनों का आभार...

वर्तमान में सोशल मीडिया के दौर में प्रिंट मीडिया के समक्ष कई चुनौतियां है।ं अखबार वह भी साप्ताहिक और झाबुआ जिले में इस विचार को ही कई लोगों ने खारिज कर दिया था, लेकिन दृढ़ इच्छाशक्ति और हमारे पत्रकारिता जगत के पितामह स्व. यशवंत जी घोड़ावत के दिव्याशीष से यह कांटो भरा सफर आज अपने सफलतम 4 वर्ष पूर्ण कर, पांचवे वर्ष में प्रवेश कर रहा है। निश्चित रूप से शैशवकाल थोड़ा मुश्किल होता है, कई चुनौतियां, कठिनाइयां और मुश्किलों का सामना करना पड़ता है और इन्हीं मुश्किलों का सामना करते हुए, आपका अपना अखबार ''माही की गूंज'' आज अपने पांचवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। जिसके लिए ''माही की गूंज'' परिवार अपने सभी पाठकों, शुभचिंतकों का आभार व्यक्त करता है और आशा करता है कि, सभी स्नेहीजनों का प्यार इसी प्रकार आगे भी बना रहेगा।

इन 4 वर्षों के सफर के दौरान ''माही की गूंज'' ने हमेशा ही जनहित के मुद्दे को प्राथमिकता दी। वहीं भ्रष्टाचार, अनीति, अन्याय व माफियाओ के खिलाफ अपनी लेखनी से कड़ा प्रहार किया है। सोशल मीडिया के इस दौर में जहां व्यक्ति पल-पल की खबरों के साथ अपडेट रहता है लेकिन ''माही की गूंज'' का इतंजार सप्ताह भर करता है। हमारे पाठकों को हर घटना, विषय, मुद्दे पर ''माही की गूंज'' के विश्लेषण को पढ़ने की उत्सुकता रहती है।

''माही की गूंज'' की सटीक खबरें, बेबाक विश्लेषण, अन्याय के खिलाफ मुखर लेखनी प्रतिभाओ का सम्मान, खेलों को प्रोत्साहन आदि अनेक विशेषताएं अन्य अखबारों से अलग साबित करती है और इन्हीं विशेषताओं के कारण लेखनी की यह यात्रा अनवरत जारी है.....

झाबुआ जैसे पिछड़े जिले को सरकार ने प्रयोगों की प्रयोगशाला बना दिया और अधिकारियों ने लूट की दुकान.... लेकिन ''माही की गूंज'' ने भ्रष्टाचार के कई काले कारनामों को जनता के समक्ष रखा। यही कारण है कि, ''माही की गूंज'' अखबार के लिए आम जनता में तो उत्सुकता रहती है लेकिन भ्रष्टाचारियों व माफियाओ की आंख की किरकिरी बन चुका है। जिले की छोटी से छोटी पंचायत से लेकर प्रदेश स्तर तक के अच्छे कार्यों का तो ''माही की गूंज'' ने स्वागत किया है, लेकिन अन्याय के खिलाफ अपनी नजरें तीखी ही रखी है। इन 4 वर्षों में इस कलम को डराने... धमकाने... लालच... यानी साम-दाम-दंड-भेद आदि के माध्यम से कुचलने के कई असफल प्रयोग हुए हैं लेकिन ''माही की गूंज'' की कलम ना ड़री है... ना थकी है... ना रूकी है... और नहीं रुकेगी क्योंकि पाठकों का स्नेह... वरिष्ठो का आशीर्वाद व शुभचिंतकों की शुभकामनाओं का संबल हमारे साथ है।

इन 4 वर्षों की सफल यात्रा में हमारे हमसफर बने सभी सुधी पाठकगण, संवाददाता, विज्ञापनदाताओ और आमजनता का ''माही की गूंज'' अपने 5 वे वर्ष के पढ़ाव पर आभार व्यक्त करता है... यह यात्रा अपने 5 वे वर्ष में भी इसी प्रकार चलती रहेगी।

इसी आशा और विश्वास के साथ एक बार पुनः आप सभी स्नेहील जनो का ''माही की गूंज'' परिवार की ओर से आभार... वंदन... अभिनंदन... के साथ आप सभी को दिपावली व नववर्ष की अंनत हार्दिक शुभकामनाए...।

संजय भटेवरा
प्रधान संपादक

इन राज्यों में पटाखों पर लगा सख्त प्रतिबंध, उल्लंघन करने वालों को हो सकती है जेल

नई दिल्ली।

दिवाली में कुछ ही दिन बचे हैं। इससे पहले ही कुछ राज्य सरकारों ने पटाखों को फोड़ने के लिए पहले ही मानदंड निर्धारित कर दिए हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी पटाखों पर बैन है। दरअसल दिवाली के मौके पर पटाखों की बेतहाशा बिक्री होती और फिर आतिशबाजी के कारण त्योहार के तुरंत बाद वायु प्रदूषण का स्तर भी बढ़ जाता है। सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद सरकारें भी सख्त कदम उठा रही हैं। सरकारों ने सांस संबंधी समस्याओं को कम करने के लिए नागरिकों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए इसे नियंत्रित करने की योजना बनाई है।

यहां पटाखे फोड़ने पर प्रतिबंध या सख्त नियम लागू:

दिल्ली

दिल्ली सरकार ने 1 जनवरी 2023 तक राष्ट्रीय राजधानी में सभी प्रकार के पटाखों के भंडारण, बिक्री और इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने का आदेश पारित किया है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार के सख्त आदेश के खिलाफ एक याचिका पर तत्काल सुनवाई करने से इनकार कर दिया था। जिसके बाद दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बुधवार को कहा कि, दिल्ली में दिवाली पर पटाखे चलाने पर छह महीने तक की जेल और 200 रुपये जुर्माना हो सकता है। राय ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि, राजधानी में पटाखों के उत्पादन, भंडारण और बिक्री पर विस्फोटक अधिनियम की धारा 9बी के तहत 5 हजार रुपए तक का जुर्माना और तीन वर्ष की जेल होगी। दिल्ली सरकार ने सितम्बर में एक आदेश जारी करके अगले वर्ष एक जनवरी तक सभी प्रकार के पटाखों के उत्पादन, बिक्री और इस्तेमाल पर फिर से पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया था। पिछले दो वर्ष से इस तरह का प्रतिबंध जारी है।

पंजाब

पंजाब सरकार ने बुधवार को स्पष्ट किया कि, 24 अक्टूबर को दिवाली पर पटाखे फोड़ने के लिए दो घंटे का समय दिया जाएगा। पंजाब में दिवाली पर रात 8 बजे से रात 10 बजे तक खुला पटाखे फोड़ सकते हैं। राज्य के पर्यावरण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर ने कहा कि, राज्य में पटाखों के निर्माण, स्टॉक, वितरण, बिक्री और इस्तेमाल पर प्रतिबंध है और केवल लाइसेंस प्राप्त व्यापारियों के माध्यम से ही ग्रीन पटाखों की बिक्री की अनुमति होगी। मंत्री ने आगे कहा कि दिवाली के अलावा, गुरु नानक देव के 'प्रकाश पर्व' 8 नवंबर को सुबह 4 बजे से सुबह 5 बजे तक एक घंटे और रात 9 से रात 10 बजे तक एक घंटे के लिए पटाखे फोड़ने की अनुमति होगी। इसके अलावा, उन्हें क्रिसमस और नए साल की पूर्व संध्या पर रात 11.55 से 12.30 तक 35-35 मिनट के लिए भी अनुमति दी जाएगी। नियमों का पालन न करने वालों पर कानून के मुताबिक एक्शन लिया जाएगा।

हरियाणा

हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने सोमवार को ग्रीन पटाखों को छोड़कर सभी प्रकार के पटाखों के निर्माण, बिक्री और इस्तेमाल पर तत्काल रोक लगा दी। एक आदेश के अनुसार, सर्दियों के महीनों के दौरान होने वाले विभिन्न ईवेंट ने हरियाणा में वायु प्रदूषण के स्तर को बढ़ा दिया है। नियमों का पालन न करने वालों पर कानून के मुताबिक एक्शन लिया जाएगा।

पश्चिम बंगाल

पश्चिम बंगाल सरकार ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार 24 अक्टूबर को काली पूजा के दौरान केवल ग्रीन आतिशबाजी की अनुमति दी है। ममता सरकार के मंत्री मानस भूनिया ने कहा कि, वे इस मुद्दे पर दो केंद्रीय निकायों की सिफारिशों का पालन करेंगे। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने निर्देश दिया कि, त्योहार के दौरान राज्य में क्यूआर कोड वाले हरे पटाखों के अलावा कोई भी पटाखों का आयात और बिक्री नहीं की जाएगी। नियमों का पालन न करने वालों पर कानून के मुताबिक एक्शन लिया जाएगा।

तमिलनाडु

पिछले चार वर्षों से तमिलनाडु में पटाखों पर सख्ती है। तमिलनाडु सरकार ने एक घंटे के लिए पटाखे फोड़ने की अनुमति दी है। हालांकि दिन में दो बार ऐसा कर पाएंगे। राज्य में पटाखा फोड़ने की इजाजत सुबह 6-7 बजे और शाम 7-8 बजे के बीच होती है। राज्य के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने लोगों को अस्पतालों, स्कूलों, अदालतों आदि जैसे मूक क्षेत्रों में पटाखे फोड़ने से बचने के लिए एक सलाह जारी की है। नियमों का पालन न करने वालों पर कानून के मुताबिक एक्शन लिया जाएगा।

उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश में पटाखों पर भले ही पूर्ण प्रतिबंध न हो लेकिन नियम सख्त जरूर हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपावली के लिए पटाखों की दुकानें आबादी से दूर लगाने की हिदायत दी है। उन्होंने रविवार को कहा कि, पर्यावरण और स्वास्थ्य की दृष्टि से अतिसंवेदनशील पटाखों की खरीद-फरोख्त को हतोत्साहित किया जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि, वे दीपावली के लिए पटाखों की दुकानों और गोदामों का आबादी से दूर होना सुनिश्चित कराएं। साथ ही पटाखों की खरीद बिक्री वाले स्थानों पर अग्निशमन के पर्याप्त बंदोबस्त किए जाएं।

पत्नी, बेटी-बेटा और सास-ससुर को जिंदा जलाया, फिर की खुदकुशी

लुधियाना। पंजाब के लुधियाना में 30 वर्षीय शख्स ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। शख्स ने एक दिन पहले ही अपनी पत्नी और उसके परिवार के चार सदस्यों को जला दिया था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि, कुलदीप सिंह ने अपने गांव खुर्शेदपुर में एक पेड़ से लटककर आत्महत्या कर ली।

महिला अपने माता-पिता के साथ रह रही थी

पुलिस के मुताबिक, कुलदीप सिंह ने अपनी पत्नी परमजीत कौर और उसकी पिछली शादी से हुए दो बच्चे 8 वर्षीय अर्शदीप और 5 वर्षीय अनमोल के साथ ही अपने सास व ससुर को जला दिया था। पुलिस ने कहा कि, परमजीत कौर पिछले विवाह से हुए अपने दो बच्चों के साथ पांच-छह महीने से पंजाब के जालंधर जिले में अपने माता-पिता के साथ रह रही थी।

परमजीत और उसके बच्चों को पीटता था शख्स

पुलिस ने कहा कि, कुलदीप सिंह चाहता था कि, परमजीत खुर्शेदपुर गांव स्थित उसके घर लौट आए, लेकिन उसने वापस जाने से इनकार कर दिया, क्योंकि कुलदीप उसे और बच्चों को पीटता था। सोमवार देर रात, कुलदीप और उसके दो साथियों ने सभी पांच व्यक्तियों पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। उन्हें बाहर निकलने का मौका ही नहीं मिला और सभी कमरे में ही जिंदा जल गए।

पांच व्यक्तियों पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी

मृतक कुलदीप सिंह की शादी बीटला गांव के सुरजन सिंह की बेटी परमजीत कौर के साथ हुई थी। शुरुआती जांच में पता चला कि, कुलदीप नशे का भी आदी था, जिसके चलते पत्नी नाराज होकर मायके आ गई थी। इससे पति गुस्से में आ गया। सोमवार देर रात, कुलदीप और उसके दो साथियों ने सभी पांच व्यक्तियों पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। इस दौरान कमरे को बाहर से लॉक कर दिया गया था। जालंधर (देहात) पुलिस अधीक्षक सतबजीत सिंह ने बताया कि, आग में जलकर मरने वालों में परमजीत कौर, उसके पिता सुरजन सिंह, मां जोगिंद्रो और उसके दो बच्चे अर्शदीप और अनमोल के रूप में हुई है।

जिले की चारों नगरीय निकायों में भाजपा का कब्जा

नए चेहरों के साथ सभी जगह देखने को मिले रोचक मुकाबले

माही की गूंज, झाबुआ।

जिले में हुए चार नगरीय निकाय चुनावों में भाजपा ने बाजी मार ली है। जिले की तीन नगर परिषद और एक नगरपालिका अब भाजपाई रंग में रंग चुकी है। लगभग एक माह की उठा पटक के बाद इन चारों नगरीय निकायों में भाजपा ने अपना परचम लहराने में कामयाबी हासिल कर ली। हालांकि नगरीय निकाय के लिए हुए मतदान के बाद ही स्थिति स्पष्ट भाजपा के पक्ष में नजर आ रही थी लेकिन अध्यक्ष, उपाध्यक्ष के चुनावों को लेकर काफी गहमा गहमी नजर आई। चूंकि इस बार अध्यक्ष पद के लिए सीधे चुनाव न होते हुए चुने हुए पार्षदों में से ही अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव पार्षदों को करना था। यही कारण था कि, अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को लेकर स्थितियां रौचक बन गई थी। बागियों की बगावत के बावजूद भाजपा सभी जगह अपना कब्जा जमाने में कामयाब रही। झाबुआ नगरपालिका में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को लेकर खासी राजनीति देखने को मिली। यहां पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के रूप में कविता संगीर को अध्यक्ष पद के लिए चुना गया। मगर गुटीय राजनीति का नतीजा यह रहा कि, भाजपा के ही बागी पार्टी के खिलाफ मैदान में ताल ठोकते दिखाई दिए। बावजूद इसके भाजपा ने यहां अध्यक्ष पद पर कब्जा किया और उपाध्यक्ष पद के लिए लाखनसिंह सौलंकी को अधिकृत प्रत्याशी बनाते हुए निर्विरोध विजयश्री प्राप्त कर ली। झाबुआ नगरपालिका पर अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों ही भाजपा के काबिज हो गए। यहां कांग्रेस को मुंह की खानी पड़ी क्योंकि कांग्रेसी पार्षदों ने अध्यक्ष पद के लिए क्रांस वोटिंग कर दी और कांग्रेस जिसके 7 पार्षद जीत कर आए थे उसके अध्यक्ष पद प्रत्याशी धुमा डामोर को मात्र 4 मत ही मिल पाए। यहां कांग्रेस को बुरी तरह से भीतरघात और हार का सामना करना पड़ा। जबकि पिछली नगरपालिका परिषद कांग्रेस की ही थी।

श्रीमती कविता सिंगार
अध्यक्ष नगरपालिका झाबुआ

लाखनसिंह सौलंकी
उपाध्यक्ष नगरपालिका झाबुआ

श्रीमती ललिता गामड़
अध्यक्ष नगर परिषद पेटलावद

श्रीमती किरण कहार
उपाध्यक्ष नगर परिषद पेटलावद

श्रीमती लक्ष्मी पणदा
अध्यक्ष नगर परिषद थांदला

पंकज राठौड़
उपाध्यक्ष नगर परिषद थांदला

दीपमाला नलवाया
अध्यक्ष नगर परिषद रानापुर

श्रीमती प्रियंका सोनी
उपाध्यक्ष नगर परिषद रानापुर

जिले की तीन नगरपरिषदों में पहले भी भाजपा ही काबिज थी, लेकिन इस बार नए और युवा चेहरों के साथ नया इतिहास रचने में भाजपा कामयाब हुई है। नगर परिषद पेटलावद में परिषद के चुनाव बहुत ही रोचक रहे। चुने गए पार्षदों की स्थिति कुछ ऐसी थी कि 7 पार्षद भाजपा के थे तो 7 निर्दलीय ताल ठोककर परिषद में पहुंचे थे। यहां कांग्रेस को सिर्फ एक ही पार्षद मिल सका। इसके नगरीय निकाय चुनावों में बुरी तरह से मात खाना कांग्रेस पर कई तरह के सवाल खड़े कर रहा है। झाबुआ नगरपालिका पर पांच साल बाद फिर से भाजपा काबिज हो चुकी है।

वैसे पिछली परिषदों में भी जिले में भाजपा तीन नगरपरिषदों में काबिज थी। जिला मुख्यालय की मात्र एक नगरपालिका ही कांग्रेस के पास थी जिससे इस बार कांग्रेस को हाथ धोना पड़ा। पूरे चुनावी समीकरण में कांग्रेस की खस्ताहाली जग जाहिर हो चुकी है। जिले की तीन विधानसभाओं में कांग्रेस का कब्जा है, बावजूद पेटलावद में नगर परिषद अध्यक्ष के लिए भाजपा की ललिता योगेश गामड़ और उपाध्यक्ष के लिए भाजपा की किरण संजय कहार को निर्विरोध चुन लिया गया।

इसी तरह थांदला नगरपरिषद के लिए भाजपा-कांग्रेस में 9-6 का मुकाबला रहा। यहां अध्यक्ष पद के लिए भाजपा की अधिकृत प्रत्याशी लक्ष्मी पणदा को घोषित किया गया। लक्ष्मी 9 मत हासिल कर थांदला नगरपरिषद की अध्यक्ष के रूप में काबिज हुई। वहीं उनके सामने कांग्रेस की वंदना सुधीर भाबर को 6 मत से संतोष करते हुए हार का सामना करना पड़ा। यहां नगरपरिषद चुनाव में 8 पार्षद भाजपा, 3 पार्षद कांग्रेस और 4 पार्षद निर्दलीय के रूप में विजय होकर नगरपरिषद तक पहुंचे थे। थांदला नगरपरिषद में उपाध्यक्ष पद के लिए पार्टी ने अधिकृत प्रत्याशी के रूप में वार्ड क्रमांक 2 से विजय हुए पार्षद पंकज राठौड़ का नाम तय किया। पंकज को उपाध्यक्ष पद के लिए 12 मत प्राप्त हुए और वह उपाध्यक्ष पद पर काबिज हो गए। यहां कांग्रेस ने अपनी तरफ से उपाध्यक्ष के लिए कोई प्रत्याशी खड़ा नहीं किया। निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में राजू धानक ने जरूर दावेदारी की थी लेकिन उन्हे सिर्फ तीन वोट ही मिल सके।

इसी तरह रानापुर नगर परिषद में भी भाजपा अपना कब्जा जमाने में कामयाब रही। हालांकि यहां पहले भी भाजपा का ही कब्जा था। मगर परिवर्तन करते हुए यहां नए चेहरे को भाजपा ने मौका दिया। यहां अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों पदों पर भाजपा के अधिकृत प्रत्याशियों को निर्विरोध चुन लिया गया है। अध्यक्ष पद पर भाजपा की दीपमाला दिलीप नलवाया निर्विरोध काबिज हुई तो उपाध्यक्ष पद के लिए भाजपा की ही प्रियंका आशीष सोनी निर्विरोध चुनी गई।

प्रधानमंत्री मोदी ने खड़गे को कांग्रेस अध्यक्ष बनने पर दी बधाई

नई दिल्ली, एजेंसी । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने अध्यक्ष पद का चुनाव जीत लिया है। खड़गे अब कांग्रेस के नए अध्यक्ष होंगे। अध्यक्ष पद के चुनाव में खड़गे ने 7897 वोट हासिल किए जबकि शशि थरूर को एक हजार के आसपास ही वोट मिले। एजेंसी के मुताबिक, 416 वोट खारिज हो गए।

24 साल बाद ऐसा पहली बार हुआ है जब कांग्रेस का अध्यक्ष गैर गांधी परिवार से हैं। बता दें कि इसी सोमवार को देशभर में कांग्रेस के 9 हजार से ज्यादा प्रतिनिधियों ने अध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव में वोट डाला था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर कांग्रेस के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं भी दी।

सिद्धू मूसेवाला मर्डर केसः पंजाब पुलिस की हिरासत से हुआ फरार आरोपी राजस्थान से गिरफ्तार

चंडीगढ़, एजेंसी। सिद्धू मूसेवाला मर्डर केस के फरार आरोपित गैंगस्टर दीपक टीनू को गिरफ्तार कर लिया गया है। टीनू को राजस्थान में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पकड़ा है। टीनू 1 अक्टूबर को मानसा के सीआइए इंचार्ज प्रितपाल के सरकारी आवास से फरार हुआ था। प्रितपाल उसे उसकी गर्लफ्रेंड से मिलाने के लिए ले गया था।

दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल के स्पेशल सीपी ने बताया कि, लारेंस बिश्नोई-गोल्डी बराड़ गिरोह का सदस्य दीपक टीनू मनसा पुलिस हिरासत से फरार हो गया था। मूसेवाला की हत्या में उसकी भूमिका थी। हमारी टीमों ने विभिन्न राज्यों में कार्रवाई की। उसे केकरी, अजमेर से गिरफ्तार किया गया था, हमने उसके पास से 5 ग्रेनेड और 2 पिस्तौल बरामद किए हैं।

बदलते राजनीतिक परिदृश्य के क्या है मायने...?

दिग्गजों को पीछे छोड़ आगे बढ़ता समय का पहियां युवाओं का कितना देगा साथ

माही की गूंज, झाबुआ। मुजम्मील मंसूरी

पश्चिमी मध्यप्रदेश का आदिवासी झाबुआ जिला चाहे प्रदेश का सबसे पिछड़ा, अशिक्षित और अति गरीब जिला ही क्यों ना हो लेकिन यहां की राजनीति हमेशा अव्वल दर्जे की ही रही है। वैसे इस जिले में हमेशा से ही राजनीतिक उठा-पटक देखने को मिलती ही रही है। राजनीति के दिग्गज लोगों के नाम इस जिले से हमेशा से ही जुड़े रहे है। जिले की माटी ने कई ऐसे आदिवासी नेता जिले को दिए है जो प्रदेश ही नही अपितु देशभर में जिले का नाम रोशन कर चुके है। मगर जिले की शैक्षणिक और आर्थिक स्थिति में कोई खासा बदलाव देखने को नही मिला है। आदिवासी बाहुल क्षेत्र होने के चलते यहां की राजनीति आरक्षण के बूते ही चलती आ रही है। इसी आरक्षण की बदौलत जिले से कांतिलाल भूरिया, स्व. दिलीपसिंह भूरिया और ऐसे ही कई नेताओं ने दिल्ली में जिले का नेतृत्व किया और जिले का नाम रोशन किया है। मगर कहते है ना समय कभी रूकता नही समय के साथ-साथ जिले के राजनीतिक समीकरण भी हमेशा बदलते ही रहे है। समय के साथ राजनीतिक मैदान में नित नए नेता आते और जाते रहे है। जिले की जनता ने कई नेताओं को स्वीकारा तो कई को नकार कर जमीनी हकीकत भी दिखाई है।

पिछले दिनों हुए जिले की चार नगरीय निकायों के चुनावों को ही देखें तो स्थिति बदलाव की नजर आती दिखाई दे रही है। नए और युवा चेहरे अब मैदान में दिखाई दे रहे है। कई पुराने चेहरों की राजनीति ही लगभग खत्म होती दिखाई पड़ रही है। चूंकि नगरीय निकाय चुनावों में तीन नगर परिषदों और एक नगरपालिका पर भाजपा ने पूरी तरह से अपना कब्जा जमा लिया तो कांग्रेस कहीं मुंह दिखाने लायक नही बची है। हालांकि राजनीतिक दृष्टिकोण से जिले में कांग्रेस का सफाया ही माना जा रहा है। कांग्रेस की राजनीति अब केवल झाबुआ विधायक कांतिलाल भूरिया और उनके डॉक्टर पुत्र व प्रदेश युवक कांग्रेस अध्यक्ष विक्रांत भूरिया के इर्द-गिर्द ही मानी जा रही है। जिले के राजनीतिक विश्लेषक हमेशा इस बात की पुष्टि भी करते आए है कि, कांतिलाल भूरिया जिले की कांग्रेस में किसी को पनपने ही नहीं देना चाहते। उन्हे हमेशा यह डर लगा रहता है कि, अगर कोई नेता कांग्रेस में उभर कर सामने आया तो उनकी खुद की राजनीति और उनके बेटे का राजनीतिक भविष्य खतरे में आ जाएगा। जिले में कांग्रेस की शाख को बट्टा लगने का मुख्य कारण भी यही है। इस बात का सीधा सा उदाहरण यह है कि, स्वर्गीय कलावती भूरिया को विधायक बनने के लिए जिले के बाहर आलीराजपुर जिले की जोबट विधानसभा से चुनाव लडने के लिए मजबूर होना पड़ा था। कुल मिलाकर कांतिलाल भूरिया के रास्ते या मुकाबले में जो भी कांग्रेसी नेता उभर कर सामने आएगा उसे निपटा दिया जाएगा या राजनीति करने लायक नहीं छोड़ा जाएगा।

जिले में भाजपा की राजनीति मिली-जुली रही है। मगर यहां युवा नेतृत्व को बहुत अधिक महत्व दिया जाता रहा है। जिले में भाजपा हर बार एक नए चेहरे के साथ सामने आती रही है। हाल ही में हुए नगरीय निकाय चुनाव इस बात का प्रमाण है। चारों नगरीय निकायों में भाजपा अपने नए चेहरों के साथ एक बार फिर तरोताजा होकर मैदान में है। इसके पहले जनपद चुनावों में भी भाजपा का प्रदर्शन अच्छा ही रहा है। नगरपालिका झाबुआ के जिस तरह से परिणाम सामने आए वे यह दर्शाते है कि, भाजपा हमेशा नया कार्ड खेलकर सफल होती रही है। इसके अनेकों उदाहरण भरे पड़े है। जबकि कांग्रेस हमेशा पुराने कार्ड ही खेलती रही है। नगरीय निकाय चुनावों में भाजपा ने दोहरी लड़ाई लड़ते हुए विरोध और बागीयों को जबरदस्त सिकश्त दी है। नगरपालिका में कई भाजपाई दिग्गजों की शाख का बट्टा बैठ गया तो कईयों की राजनीति अब खतरे के निशान पर चल रही है।

यूं तो जिले में भाजपा के भी कई गुट है। जिनमें आपसी तालमेल नहीं बैठता। मगर बावजूद इसके भाजपा-कांग्रेस के मुकाबले जिले में ज्यादा अच्छी स्थिति में दिखाई पड़ती है। एक समय में जिला मुख्यालय पर भाजपा मुख्य दो गुटों में

दिखाई पड़ती थी, राजगढ़ नाका और राजवाड़ा भाजपाई राजनीति का केंद्र बिंदू माने जाते थे। लेकिन अब भाजपाई राजनीति में तीसरा गुट पूरी ताकत के साथ उभर कर सामने आया है। इस तीसरे गुट में भाजपा जिलाध्यक्ष और सांसद शामिल है। हालांकि भाजपा का हर गुट अपने ही स्तर की राजनीति करता आया है। राजगढ़ नाका की राजनीति का मुख्य चेहरा शैलेष दुबे हमेशा से ही रहे है, लेकिन इस गुट का राजनीतिक दृष्टिकोण वर्षों में नहीं बदला। बदलाव नहीं होने का खामियाजा भी यह गुट भुगत रहा है। भाजपा का दूसरा गुट राजवाड़ा ग्रुप को माना जाता रहा है। लेकिन यह गुट अब राजनीतिक पटल पर लगभग गर्त में है। इस गुट का मुख्य चेहरा ब्रजेश (चुन्नु) शर्मा को माना जाता रहा है, और यहां भी किसी तरह का कोई बदलाव देखने को वर्षों में नहीं मिला है। भाजपा का तीसरा गुट जो उभर कर सामने आया है वह सांसद गुमानसिंह डामोर और भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मणसिंह नायक का है। इस गुट में भी हालात कुछ ठीक नहीं रहे है। भाजपा जिलाध्यक्ष पर कई संगीन आरोप है तो सांसद डामोर का रवैया अफसरशाही जैसा है। हालांकि सक्रिय तौर पर सत्ताधारी पार्टी से प्रदेश स्तर पर जुड़े होने का सीधा फायदा इस गुट को जरूर हो रहा है। मगर यह सही है कि, समय कभी किसी के लिए नही रूकता जो समय के साथ होता है वही आगे बढ़ता है। जिले की राजनीती में जिस तरह राजगढ़ नाका और राजवाड़ा ग्रुप अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे है यह प्रणाम है इस बात का कि, समय ही जो बड़ा बलवान होता है। यह भी समय के गर्त में है कि, जिलाध्यक्ष नायक और सांसद डामोर का गुट कब तक समय के साथ चलने वाले है। कभी भी समय इन्हे पीछे छोड़कर चल देगा।

जिले में युवा राजनीति हमेशा हावी रही है। भाजपा ने हमेशा अपना परिवेश बदला है। आगे भी यही स्थितियां दिखाई पड़ रही है। जिले में भाजपाई राजनीती करवट बदल रही है। युवाओं का नया टौला अपने लक्ष्य को साधते हुए आगे की ओर बढ़ रहा है। युवा राजनीती में चमककर सामने आना वाला नाम इन दिनों पूर्व भाजयुमो अध्यक्ष भानु भूरिया का है। पिछली विधानसभा में पराजय का सामना करने के बावजूद भानू भूरिया पीछे नहीं हटे। लगातार अपने आपको साबित करते रहे है। भोपाली गलियारों में भी अब यह नाम कोई नया नहीं है। प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व में अच्छी पकड़ और कुशल व्यवहार के कारण भानु भूरिया का कद बड़ा ही है। जिले को युवा नेतृत्व प्रदान करते भानु भूरिया के साथ जागरूक युवाओं एक कारवां लगातार जिले की राजनीति में हलचल पैदा कर रहा है। जोश और उत्साह से भरा भानु भूरिया का नेतृत्व उनसे जुड़े युवाओं में लगातार ऊर्जा का संचार करता जा रहा है। पिछले विधानसभा चुनावों में हार का मुंह देखने के बावजूद उत्साह कम नहीं हुआ। हालही में हुए जनपद पंचायत के चुनावों में जीत दर्ज कराते हुए अपनी पत्नी को जिला पंचायत सदस्य के रूप में विजयश्री दिलवाई। जिले की राजनीतिक पृष्ठभूमि में भाजपा के तमाम गुटों से भानू भूरिया के अच्छे संबंध और मिलनसारिता उन्हे राजनीतिक पटल पर मजबूती ही प्रदान करती नजर आती है। हाल ही में हुए नगरपालिका चुनावों में झाबुआ नगरपालिका में अध्यक्ष पद पर विजय हुई कविता शैलेन्द्र सिंगार भी भानु समर्थक ही मानी जा रही है। शैलेन्द्र सिंगार, भानु भूरिया के करीबी लोगों में से ही है। माना यह भी जा रहा है कि, जनपद और नगरपालिका के चुनावों के बाद भानु भूरिया का कद जिले में बढ़ता ही जा रहा है। आने वाले विधानसभा चुनावों में भानु भूरिया की दावेदारी लगभग पक्की मानी जा रही है। क्योंकि भाजपा के पास झाबुआ विधानसभा में इससे बेहतर विकल्प अभी तक तो दिखाई नहीं दे रहा है, जो कांग्रेस के कांतिलाल या उनके बेटे विक्रांत को चुनौती दे सके।

कुल मिलाकर बात यह है कि, जिले की राजनीती में खासतौर से भाजपा में राजनीतिक परिदृश्य बदते नजर आ रहे है। यह स्पष्ट रूप से तय है कि, जो समय के साथ नहीं चला वह समय के गर्त में खो गया और जो समय के साथ रहा वह हमेशा ही विजय रहा है। जिले की भाजपा में हर गुट की राजनीति एक समय तक ही प्रभावी रही है। उसके बाद समय उन्हे छोड़कर आगे की ओर चल पड़ा है। पहले राजवाड़ा ग्रुप और फिर राजगढ़ नाका ग्रुप समय से पिछड़े है, अब बारी भाजपा के तीसरे ग्रुप की है जो समय के साथ चल पाने की स्थिति में तो नजर बिल्कुल भी नहीं आ रहा है। समय के साथ जिले की राजनीती में सूरज की नई किरण के साथ युवा नेतृत्व युवाओं में उत्साह और ऊर्जा भरता दिखाई दे रहा है। जिले की भाजपाई राजनीती स्पष्ट रूप से करवट बदलती दिखाई पड़ रही है। बदलते राजनीतिक परिदृश्य के मायने भले ही अभी समय के गर्त मे हैं लेकिन इस करवट बदलती राजनीति के मायने भी समय के साथ समझ में आने लगेंगे।

क्या ग्रामीण क्षेत्रवासियों को मकान बनाने की सामग्री सस्ती मिलती है...?

माही की गूंज, बनी। ऋषभ गुप्ता

प्रधानमंत्री द्वारा आवास योजना मिशन 25 जून 2015 से शुरू किया जिसमें हर परिवार का अपना घर होने का सपना संजोया गया मगर प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आम जनता के साथ भेदभाव किया जा रहा है उसका सीधा उदाहरण है कि शहरी क्षेत्रों के लोगों को 2 लाख 67 हजार रुपये और ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण के लिए 1 लाख 50 हजार रूपये का प्रावधान रखा गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र में मिलने वाली राशि काफी कम है सीधे तौर पर कहे तो क्या ग्रामीण क्षेत्रवासियों को मकान बनाने की सामग्री सस्ती मिलती है, क्या इसलिए इन्हें शहरी क्षेत्र से ग्रामीण क्षेत्रवासियों को राशि कम उपलब्ध करवाई जाती है...? ग्रामीण क्षेत्रों को मकान निर्माण करने के लिए सामग्री बड़े शहरों से लाना पड़ती है, जिसमें अपनी निजी मेहनत के अलावा सामान ढोने का अतिरिक्त चार्ज देना पड़ता है। ऐसी स्थिति में 1 लाख 50 हजार रूपये में आवास निर्माण करना असंभव है। इन परिस्थितियों को मध्य नजर रखते हुए सरकार को भेदभाव खत्म कर ग्रामीण क्षेत्रों की जनता को शहरी क्षेत्र की जनता के बराबर राशि उपलब्ध करवाना चाहिए।

भांजगड़िया व पुलिस की मिलीभगत से चलता है सट्टा कारोबार

माही की गूंज, पारा।

पुलिस का अज्ञात बदमाशों पर जरा भी नियंत्रण नहीं रहता, रात भर पुलिस गश्त होने के बाद भी अज्ञात बदमाश चोरियां करने में सफल हो जाते हैं। दिन हो या रात बदमाश बेखौफ होकर घटना को अंजाम दे जाते हैं, पुलिस हाथ पर हाथ रख कर बैठी रहती है। पिछले 8-10 वर्षों का रिकॉर्ड खंगाल कर देखेंगे तो अज्ञात बदमाश लाखों रुपयों की चोरी कर घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं, पुलिस ने एक भी चोरी का पर्दाफाश नहीं किया। पुलिस अगर प्रयास करें तो जरुर सफलता हाथ लगती है। बदमाशों में पुलिस का खौफ होना चाहिए खौफ है ही नहीं, इसलिए बदमाशों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। जब कभी भी पारा चौकी पर नए चौकी प्रभारी आते हैं तो गांव वालों को यह उम्मीद रहती है कि, अब अपराधों पर अंकुश लगेगा। पर जो भी प्रभारी आता है गांव वालों की उम्मीदों पर पानी फिर जाता है सभी अपनी जेबे भरने का काम ही कर रहे हैं।

पुलिस दिन में नदारद रहती है, पूर्व पुलिस चौकी परिवर्तन के बाद पुलिस चौकी गांव के बाहर हो गई, चौकी दूर होने से पुलिस वाले भी गांव में राउंड नहीं मारते और गांव वाले को भी ऐसा प्रतीत होता है कि, पारा ग्राम पारा चौकी में आता है या नहीं...? फिलहाल पुलिस रात भर जीप में गश्त देती है जीप के अलावा पैदल गश्त हो तो और भी अच्छा रहेगा। अब गांव वालों को नवागत चौकी प्रभारी मालीवाड़ पर उम्मीद टिकाए हुए थे, अपराधिक घटनाओं पर रोकथाम लगेगी मगर ऐसा ना होते हुए वहीं गुल्ली-डंडा बात चरितार्थ हो रही है। अभी प्रभारी मालीवाड़ को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

बदमाश बाइक ले जाने में कामयाब हुए

कुछ दिन पहले रात भर पुलिस गश्त होने के बाद भी दो अज्ञात बदमाश रातीमाली रोड स्थित चालक के यहा से बुलेट गाड़ी व होंडा गाड़ी ले उड़े थे। एक बदमाश बुलेट ले जाने में कामयाब रहा, व दूसरा बदमाश गाड़ी थोड़ी दूर ले गया और बाइक स्पीड में चल रही थी, थोड़ी दूर जाकर एक जीप से टकरा गया और बाइक व चालक गिर गया। चालक गाड़ी छोड़कर भाग निकला थोड़ी देर बाद पारा पुलिस को सूचना मिल गई पुलिस घटनास्थल पर पहुंची जब तक बदमाश भाग गए थे। बताया जाता है कि, पुलिस जीप से पीछा करती तो अज्ञात बदमाश पुलिस की गिरफ्त में होते ।

बदमाश मोबाइल छीनकर भागा

प्रजापत मोहल्ले के एक घर के ओटले पर खेल रहा 8 वर्षीय बालक प्रज्ञान प्रजापत अपने मोबाइल पर गेम खेल रहा थां। साथ में 8-10 बच्चे दूसरे भी खेल रहे थे। दो अज्ञात बदमाश बाइक पर सवार होकर आएं प्रज्ञान के हाथों से मोबाइल छीन कर फरार हो गए। प्रज्ञान ने अपने दादाजी पूनमचंद को बताया कि, दो व्यक्ति बाइक पर बैठे हुए थे जो मेरे हाथों से मोबाइल छीन कर भाग गए, पूनमचंद पिता धुला प्रजापत ने पारा पुलिस चौकी पर आवेदन देकर शिकायत दर्ज करवाई।

खुलेआम चलता है सट्टा बाजार

गांव के अंदर दो स्थानों पर सट्टा कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है गांव का वरिष्ठ भांजगड़िया व पुलिस की मिलीभगत से सट्टा माफियाओं का कारोबार फल-फूल रहा है। राम शरणम् मंदिर की गली में अंकित राठौड़ चलाता है सट्टा बाजार .मंदिर प्रांगण में दिनभर सटोरियों की भीड़ लगी रहती है। सीसीटीवी कैमरे में देखा जा सकता है। मांड्या कुंड नदी किनारे व पृथ्वीराज नदी पर भी चलता है सट्टा जुआ। पुलिस अच्छी तरह से जानती है, फिर भी सट्टा माफियाओं की धरपकड़ नहीं करती। यह सट्टा माफिया व पुलिस की मिलीभगत नहीं तो क्या...?

पांच वर्ष बाद नगरपालिका झाबुआ पर फिर हुआ भाजपा का कब्जा

कविता सिंगार अध्यक्ष और लाखनसिंह सौलंकी बने उपाध्यक्ष

माही की गूंज, झाबुआ।

कविता शैलेन्द्र सिंगार
अध्यक्ष नपा झाबुआ

लाखन सिंह सौलंकी
उपाध्यक्ष न. पा. झाबुआ

पांच वर्ष बाद फिर से अब झाबुआ नगर पालिका भाजपा के कब्जे में आ गई है। अध्यक्ष पद को लेकर भाजपा में खुली बगावत देखने को मिली। जिससे एक समय के लिए ऐसा लगा कि, कांग्रेस का रास्ता साफ हो गया। लेकिन एन मौके पर कांग्रेस के तीन पार्षदों ने क्रॉस वोटिंग कर दी। इसका परिणाम यह हुआ कि, कांग्रेस की फजीहत हो गई और भाजपा की अधिकृत प्रत्याशी कविता सिंगार 4 वोट से अध्यक्ष का चुनाव जीत गई। उधर उपाध्यक्ष पर भाजपा के लाखनसिंह सौलंकी निर्विरोध निर्वाचित हो गए। दो बार तारीख बदलने के बाद रविवार को झाबुआ नगर पालिका के 18 पार्षदों का प्रथम सम्मेलन हुआ। सुबह 11 बजे सभी पार्षद कलेक्टोरेट कार्यालय में दाखिल हो गए। औपचारिकताओं के बाद अध्यक्ष-उपाध्यक्ष पद के लिए निर्वाचन की प्रक्रिया शुरू हुई। हालांकि प्रशासन ने अध्यक्ष, उपाध्यक्ष निर्वाचन को लेकर समयवार कार्यक्रम घोषित नहीं किया था। केवल प्रेसनोट के माध्यम से यह बताया गया था कि, रविवार सुबह साढे 10 बजे से निर्वाचन प्रक्रिया शुरू होगी। समयवार कार्यक्रम जारी नहीं होने से मीडिया और कई लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ा।

18 वार्डों वाली इस नगरपालिका में 9 पार्षद भाजपा, 7 पार्षद कांग्रेस और 2 पार्षद निर्दलीय के रूप में परिषद में अपनी जगह बनाने में कामयाब रहे। 16 अक्टूबर को अध्यक्ष पद के लिए हुए निर्वाचन में भाजपा को 9 वोट मिले तो वहीं भाजपा के बागी को 5 वोट मिले। कांग्रेस यहां अपने 7 पार्षदों के साथ पहुंची थी, लेकिन एन वक्त पर जब वोटिंग हुई तो मात्र 4 पार्षद ही कांग्रेस के साथ नजर आए। 3 पार्षदों ने कांग्रेस से अपनी पीठ फैर ली। इस तरह भाजपा की अधिकृतप्रत्याशी कविता शैलेन्द्र सिंगार 4 मतों से विजय होकर अध्यक्ष पद पर काबिज हो गई। रविवार को सभी पार्षदों के निर्वाचन प्रक्रिया हेतु अंदर जाने तक भी भाजपा ने अपने अधिकृत प्रत्याशी की घोषणा नही की थी। पार्टी ने अपने पार्षदों को एक लिफाफा देकर अंदर भेजा था, जिसमें पार्टी द्वारा अधिकृत किए गए प्रत्याशी का नाम था। अंदर जब लिफाफा खुला तो सबके सामने कविता सिंगार का नाम था। इसी बात से नाराज वार्ड 13 की पार्षद पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष धनसिह बारिया की पत्नी बसंती बारिया ने निर्दलीय के रूप में अध्यक्ष पद हेतु फार्म भर दिया। वह भी अध्यक्ष पद के लिए पार्टी में दावेदारी कर रही थी। आक्रोसित बंसती ने खुली बगावत करते हुए भाजपा प्रत्याशी को चेलेंज कर दिया। उनके अध्यक्ष पद के लिए मैदान में उतरते ही माहौल गर्मा गया। भाजपाईयों में मायूसी छा गई तो कांग्रेसी नेताओं को अपनी जीत पक्की लगने लगी। क्योंकि 18 में से 7 पार्षद उनकी पार्टी के थे। कांग्रेस से पहले ही तय हो चुके उम्मीदवार वार्ड 11 मोजीपाडा के पार्षद धूमसिंह डामोर मैदान में उतरे। त्रिकोणीय संघर्ष ने रोमांचक स्थिति पैदा कर दी।

इस लड़ाई में कांग्रेस के पास अध्यक्ष पद पर कब्जा करने के सुनहरे अवसर थे। सभी को लग रहा था कि, भाजपा की फूट उसे परिषद पर कब्जा जमाने से रोक देगी। गोपनीय वोटिंग हुई। जब गिनती हुई तो चौकाने वाले परिणाम सामने आए। भाजपा प्रत्याशी कविता को 9 व भाजपा की बागी बसंती को 5 और कांग्रेस के धूमसिंह को सिर्फ 4 वोट मिले। कोई तीन कांग्रेसी पार्षदों ने क्रॉस वोटिंग कर दी। यदि क्रास वोटिंग नहीं हुई होती तो कांग्रेस को फायदा मिलता, लेकिन कांग्रेस के हाथ से बाजी पूरी तरह से निकल चुकी थी।

इस परिणाम के सामने आते ही कांग्रेसी खेमे में निराशा का माहौल हो गया। इसका असर यह हुआ कि, बाद में उपाध्यक्ष पद के लिए हुई निर्वाचन प्रक्रिया में कांग्रेसी नेताओं की रुचि ही खत्म हो गई। भाजपा ने उपाध्यक्ष पद के लिए वार्ड 9 भोज मार्ग के पार्षद लाखनसिंह सौलंकी को उम्मीदवार बनाया और सामने किसी के नहीं उतरने से वे निर्विरोध निर्वाचित हो गए। झाबुआ नगर पालिका पर 1998 से 2017 तक लगातार 19 वर्ष भाजपा का कब्जा रहा। 2017 के चुनाव में कांग्रेस ने परिषद पर कब्जा जमा लिया। अब 5 वर्ष बाद भाजपा ने वापसी करते हुए नगरपालिका पर अपना वर्चस्व कायम करने में सफलता हासिल की है।

प्रशासन की कार्यवाही, बड़ी मात्रा में मिलावटी मिठाईयां और गैस टंकियां जप्त

माही की गूंज, रतलाम।

प्रशासन की ओर से शहर तहसीलदार श्रीमती अनिता चोकोटिया, नायब तहसीलदार कुलभूषण शर्मा, पटवारी तेजवीरसिंह चौधरी तथा सत्यनारायण सिसौदिया द्वारा औचक जांच की गई। जांच में बडी मात्रा में मिठाई निर्माण का सामान, गैस सिलेण्डर, भट्टे आदि पाए जाने पर खाद्य एवं औषधि विभाग के साथ सुरक्षा अधिकारी कमलेश जमरा तथा प्रीति मण्डोरिया द्वारा काजू कतली एवं घी के नमूने संग्रहित किए गए। साथ ही मिलावट की शंका के आधार पर 36 हजार रुपए मूल्य की 48 कि.ग्रा. काजू कतली, जब्त कर नमूने राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजे गए। नापतौल विभाग के नसीम खान द्वारा इलेक्ट्रानिक कांटे का प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों द्वारा अनमोल पिता वीरेन्द्र चौपडा के रिहायशी मकान से 19 किलोग्राम के 55 व्यावसायिक गैस सिलेण्डर, 5 किलोग्राम के 14 व्यावसायिक गैस सिलेण्डर तथा 2 सिलेण्डर रिलायन्स गैस नान सब्सिडी जब्त किए गए।

थाना परिसर में फटाखा व्यवसाईयों की हुई बैठक

माही की गूंज, मेघनगर।

थाना प्रभारी टी,एस डाबर ने नगर के समस्त फटाखा व्यापारियों की बैठक थाना परिसर में ली व समझाया कि, सुरक्षा का ध्यान रखें, फटाखा व्यवसाई परिसर में पानी की बाल्टी, रेत की बाल्टी और दुकानों में दूरी बनाकर अपनी दुकान लगाएं और सुरक्षा का ध्यान रखें और यह भी कहा नगर में कोई भी व्यक्ति बिना लाइसेंस से फटाका ना बेचे और प्रशासन द्वारा निर्धारित स्थान पर ही व्यवसाय करें। किसी भी नियम का उल्लंघन या पालन नहीं करने पर प्रशासन द्वारा कार्रवाई की जाएगी और नगर में कोई भी व्यक्ति फटाखा बेचते पाया गया उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अध्यक्ष व उपाध्यक्ष निर्विरोध हुई निर्वाचित

पहली बार अध्यक्ष - उपाध्यक्ष पद पर महिलाओं ने कब्जा जमाकर रचा इतिहास

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

नगर परिषद पेटलावद में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव पूर्वानुमान अनुसार निर्विरोध ही सम्पन्न हुए। जैसा कि, पहले से कयास थे कि, भाजपा यहां बिना किसी रुकावट और चुनाव के फिर से कब्जा जमा लेगी। हालांकि भाजपा का एक धड़ा वार्ड 13 से निर्वाचित पार्षद भूरा गामड़ के पक्ष में था, लेकिन भाजपा ने अंतिम समय मे ललिता गामड़ का नाम अध्यक्ष पद हेतु घोषित कर अन्य प्रत्याशी की घोषणा पर विराम लगा दिया। नगर परिषद में कांग्रेस का पत्ता पूरी तरह से साफ हो गया था। यहा से कांग्रेस का एक मात्र पार्षद ही विजय हो पाया था। कुल 7 पार्षद निर्दलीय होने के बाद भी एकमत नही थे, जिसके चलते भाजपा द्वारा अधिकृत अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के विरुद्ध किसी ने भी नामांकन जमा नही किया।

पहली बार महिलाओं का कब्जा

नगर परिषद में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के साथ परिषद की कुल 15 पार्षद में से 10 महिला पार्षद है। इस बार परिषद पूरी तरह से नारी शक्ति के नियंत्रण में रहेगी और ऐसा पहली बार हुआ है कि, परिषद में महिलाओं का दबदबा रहा है। आदिवासी महिला के लिए पहली बार आरक्षित सीट पर पहली ही बार विजय हुई ललिता गामड़ अध्यक्ष बनी। जबकि तीसरी बार जितने वाली परिषद की सबसे अनुभवी पार्षद किरण संजय कहार को पार्टी ने उनके अनुभव का पूरा लाभ देते हुए उपाध्यक्ष बनाया ।

अध्यक्ष-उपाध्यक्ष ने नगर परिषद की दहलीज पर माथा टेककर शुभ मुहूर्त में किया पदभार ग्रहण

नगर परिषद पेटलावद के निर्वाचन संपन्न होने के बाद मंगलवार को पुष्प नक्षत्र के शुभ मुहूर्त में अध्यक्ष श्रीमती ललिता योगेश गामड़ व उपाध्यक्ष श्रीमती किरण संजय कहार ने नगर परिषद पहुंचकर पदभार ग्रहण किया। अध्यक्ष व उपाध्यक्ष ने पदभार ग्रहण करने के पश्चात सबसे पहले नगर परिषद की दहलीज की पूजा कर परिषद भवन में प्रवेश किया। इसके पश्चात नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों से आशीर्वाद लेते हुए, पूरे नगर की जिम्मेदारी का दायित्व उन्हें सौंपा। दोनों ही पदाधिकारियों ने पार्षदगणों के साथ नगर परिषद के कर्मचारियों से चर्चा करते हुए उनकी मांग व समस्याओं को सुना तथा उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन दिया। इसके साथ ही दोनों ही पदाधिकारियों ने परिषद के कर्मचारियों से भी नगर को साफ, स्वच्छ, सुंदर व समस्या मुक्त रखने के लिए सहयोग की अपील की। पदभार ग्रहण करने पर नगर परिषद के कर्मचारियों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष व उपाध्यक्ष का हार-फूल मालाओं व मिठाई खिला कर स्वागत किया।

इस अवसर पर भाजपा नेता संजय कहार, योगेश गामड़, मुकेश परमार, मुकेश पडियार, श्यामू मेड़ा, पप्पू पड़ियार, दीपक जैन, गौतम गहलोत, ममता गुजराती, अनुपम भंडारी, संजय चाणोदिया, प्रदीप पटवा, भूरा मुणीया, शिवा राठौर, राजू मेड़ा, बाबू काग, अनिल मुलेवा, मनोज जानी, कमलेश लाला चौधरी, रवि गुर्जर, दीपक पडियार, लोकु परिहार, बाबा व्यास, अप्पू भंडारी, बलराम पाटीदार आदि मौजूद थे।

भाजपा की लक्ष्मी बनी नगर परिषद अध्यक्ष

माही की गूंज, थांदला। मुकेश भट्ट

हाल ही में संपन्न नगरीय निकाय चुनाव में नगर सरकार हेतु मतदाताओं ने भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबी सत्ताधारी दल की परिषद के कुछ पार्षदों को दरकिनार कर एक बार पुनः राष्ट्रवाद के सिद्धांत पर भरोसा जताते हुए, नगर परिषद में पुनः भाजपा ने परचम लहराया। 18 अक्टूबर को संपन्न हुए, अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के चुनाव मे भाजपा की श्रीमती लक्ष्मी सुनील पणदा अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद हेतु युवा पार्षद पंकज राठौड़ निर्वाचित हुए हैं। विजय प्रत्याशियों का भाजपा के पार्षदों की उपस्थिति में संभागीय संगठन मंत्री हरिनारायण यादव व भाजपा जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कलसिंह भाभर, जिला अध्यक्ष लक्ष्मण नायक, चुनाव प्रभारी सत्येन्द्र यादव, अनिल भंसाली व भाजपा पदाधिकारियों व पार्षदों के साथ ढोल-धमाके, बैंड-बाजों के साथ विजय जुलूस निकाला गया। जुलूस का जगह-जगह पुष्प वर्षा व मालाओ से स्वागत किया।

कांटो भरा होगा नगर अध्यक्ष का ताज

नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी सुनील पणदा के लिए नगर अध्यक्ष का यह ताज चुनौतियों के साथ काटो भरा सफर तय करते हुए, तमाम चुनौतियों से उन्हें जुझना पड़ेगा। पूर्व नगर परिषद द्वारा 6 करोड़ का कर्ज विरासत के रूप में छोड जान,..... स्वयं अपने राजनीतिक आकाओं के इशारों पर भाई-भतीजावाद के रूप में यह परिषद जानी जाती थी। साथ ही कई अयोग्य लोगों को दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी के रूप में भर्ती कर परिषद को कर्जदार बनाते हुए विरासत में यह खाली खजाना, नवीन परिषद के लिए छोड़ कर जा रही है, जिसे पाटना उनके लिए चुनौती साबित होगा। साथ ही नवीन अध्यक्ष को अयोग्य कर्मचारियों को दरकिनार कर ईमानदारी से केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं में पारदर्शिता अपनाते हुए जरूरतमंद को लाभ दिलाना नवीन परिषद की पहली प्राथमिकता होना चाहिए।

कलसिंह की लोकप्रियता बरकरार

सत्ताधारी भाजपा जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कलसिंह भाभर ने नगर परिषद में भाजपा का परचम लहरा कर अपने चहेतों को अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के पद पर काबिज कर संगठन में अपनी उपयोगिता सिद्ध कर भाजपा संगठन में गुटबाजी पैदा करने वाले जयचंदो को अपनी ताकत दिखाते हुए, एक बार पुनः कलसिंह अपनी लोकप्रियता साबित करने में पूर्ण सफल हुए हैं। भले ही कलसिंह भाभर अपनी पुत्रवधू का टिकिट कट जाने से बिल्कुल विचलित नहीं हुए और गुटीय राजनीति से हटकर दोनों अपने उम्मीदवारों को जिताकर नगर परिषद में काबीज कर दिया।

भू-माफिया से दूर रहे अध्यक्ष

सत्ता उस गुड के मिठास की तरह है, जहां मक्खियां भिन्न-भिनाती रहती है। नवनिर्वाचित अध्यक्ष को भू-माफिया, पूंजीपतियो व झूठे सिपहसलारो से सावधान रहते हुए, जनता जनार्दन व वार्ड पार्षद से जो तालमेल किए है. वह सत्ता व संगठन से तालमेल बिठाकर नगर विकास का मार्ग प्रशस्त करना होगा। बरहाल नवनिर्वाचित परिषद के लिए विरासत में 6 करोड रुपए से अधिक का कर्ज पाटना बिल्कुल कांटो भरा सफर जैसा ही सिद्ध होगै अंत में नवीन परिषद के सम्मान में यही पंक्तियां की।,

'' झूठ के परिंदे अक्सर फड़फड़ाया करते हैं वक्त के बाज़ की उड़ान में कभी आवाज नहीं आती ''

पेंशनरों ने मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

माही की गूंज, पेटलावद।

मध्य प्रदेश पेंशनर एसोसिएशन के प्रांतीय आह्वान पर 9 सूत्री मांगों को लेकर पेटलावद शाखा के पदाधिकारियों ने एक ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को सौंपा। संघ के अध्यक्ष एनएल रावल ने बताया, पेटलावद अनुविभागीय कार्यालय पर तहसीलदार जगदीश वर्मा को पेंशनरों के विभिन्न मांगों का ज्ञापन मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन भोपाल के नाम दिया गया। इसमें केंद्र के समान 38 प्रतिशत महंगाई राहत, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ में पेंशनरों से संबंधित धारा 490 को समाप्त करने, पेंशनरों को आयुष्मान योजना का लाभ व पेंशन बीमा योजना से जोड़ना, नियमित शासकीय कर्मचारी की भर्ती पेंशनरों को भी 50 हजार उपादान राशि प्रदान करना, नई पेंशन योजना एनपीएस योजना बंद कर पुरानी पेंशन योजना लागू की जाए। ज्ञापन का वाचन पेंशनर संघ के अध्यक्ष एन एल रावल ने किया। इस अवसर पर मूलचंद काग, बंशीधर पालीवाल, नाथूलाल सीनम, गंगाराम मेड़ा, ओपी रामावत, रमणलाल चौहान, केडी बेरागी, रामचंद्र भाटी, विट्ठल धानक, जगननाथ पटेल, अम्बाराम गरवाल, भेरूलाल परमार, घासीराम आंजना, हीरालाल चोयल, रणछोड़ गरवाल तथा महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष मीना सिसोदिया आदि पेंशनरों ने भाग लिया।

एसडीएम गेमावत को दी विदाई, पत्रकार संघ ने अभिनन्दन कर किया सम्मानित

माही की गूंज, पेटलावद।

अपने 26 माह के प्रशासकिय कार्यकाल के दौरान पेटलावद क्षेत्र के पत्रकारों का मुझे काफी सहयोग मिला और आपके द्वारा दी गयी सूचनाओं और लगाई गई खबरों के आधार पर हमारे द्वारा जनता ओर पेटलावद क्षेत्र में ला एन्ड ऑर्डर बनाये रखने और सरकारी योजनाओं का बेहतर प्रबन्धन किया जा सका, मैं सभी का ह्रदय से आभार प्रकट करता हु। उक्त बात सोमवार शाम को पत्रकार कार्यालय में पत्रकारों द्वारा पेटलावद एसडीएम शिशिर गेमावत के विदाई समारोह में सम्बोन्धित करते हुए कही। उक्त कार्यक्रम में तहसीलदार जगदीश वर्मा भी विशेष रूप से उपस्थित थे। पेटलावद पत्रकार संघ ने हमेशा की तरह अपनी गौरवशाली परम्परा का निर्वाहन करते हुए, एसडीएम शिशिर गेमावत को, विदाई समारोह पत्रकार कार्यालय पर आयोजित करते हुए विदाई दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता पत्रकार संघ के अध्यक्ष मोहनलाल पडियार ने की। नगर के समस्त पत्रकारो ने एसडीएम गेमावत का पुष्पहार पहनाकर स्वागत सम्मान किया। पत्रकार मनोज जानी, वीरेंद्र भट्ट, मनोज पुरोहित, निर्मल व्यास ने अपने उद्बोधन में एसडीएम गेमावत के कार्यकाल में हुए कार्यो ओर गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए कार्यकाल की उपलब्धि बताई और एसडीएम गेमावत के सुखी, स्वस्थ और सफल जीवन की मंगलकामनाऐ प्रेषित की।

इस दौरान पत्रकार संघ पेटलावद की और से अध्यक्ष मोहनलाल सहित सभी पत्रकारो ने एसडीएम गेमावत को सम्मानित करते हुए स्मृति स्वरूप अभिनन्दन पत्र भेंट किया, जिसका वाचन पत्रकार संजय लोढ़ा ने किया। विदाई समारोह में पत्रकार हरीश राठोर, सुनील खोड़े, लोकु परिहार, अर्जुन राठौर, दिलीप मालवीय, साबिर मंसूरी, सुरेश मुलेवा, ओपी मालवीय, मुकेश सिसोदिया, सत्तू ठाकुर, मनोहर डोडिया,निलेश सोनी, तन्मय चतुर्वेदी सहित समस्त पत्रकारगण उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल संचालन वरिष्ठ पत्रकार हरिशंकर पवार और आभार प्रदर्शन मोहनलाल पडियार ने माना।

नायब तहसीलदार कार्यालय बंद होने से कई गांव के किसान परेशान

एसडीएम ने दिए थे निर्देश, आज तक नही हुआ कार्यालय शुरू

माही की गूंज, रतलाम।

जिले के पिपलोदा तहसील की नायब तहसीलदार कालूखेड़ा ठप्पा कार्यालय विगत कई वर्षो से बन्द पड़ा है। जिसके कारण इस क्षेत्र के ग्रामीणों को काफी असुविधाए भी हो रही है। बात की जाए ग्रामीण क्षेत्र की तो यहा पर नायब तहसीलदार ठप्पा कार्यालय कालूखेड़ा पर कई गांव लगते है पर अभी वर्तमान में कार्यालय पर ताला लगने के कारण कई गांव के ग्रामीण तालिदाना, बागिया, भाटखेड़ा, रियावन, रानीगांव, मावता, बछोड़ीया, झातला, भाकरखेड़ी, ठीकरिया, नवेली, सेमलीया, कंसेर, चिपिया व कई गांवो के किसानो को नायब तहसीलदार ठप्पा कार्यालय पर आना-जाना होता है। 1 वर्ष पहले जावरा अनुविभागीय अधिकारी हिमांशु प्रजापति द्वारा नायब तहसीलदार कार्यालय कालूखेड़ा बन्द पड़ा देखकर विभागीय अधिकारियों को आदेश दिए थे कि, जल्दी कार्यालय को खोला जाए और बाहर हो रही गन्दगी को साफ किया जाए पर जावरा एसडीएम के आदेश दिये 1 वर्ष हो गये। किसी भी जिम्मेदार अधिकारी ने आदेश का पालन नही किया। ग्रामीणो का आरोप है कि, सुस्त रवैये के कारण विभागीय अधिकारियो ने भी कोई ध्यान नही दिया जिसका खामियाजा हम किसान भुगत रहे हैं। वही ठप्पा तहसील कार्यालय ही बंद होने से किसानों को छोटे-छोटे कार्यो के लिये पिपलौदा तहसील के चक्कर लगाना पड़ रहे है, जिससे की किसानों को बहुत ही समय बर्बाद करना पड़ता है। वही ग्रामीण बालाराम कुमावत, रामरूप पाटीदार, रमेश धाकड़, मांगीलाल कुमावत, प्रभूलाल कुमावत, ओमप्रकाश कुमावत, गोपाल कुमावत ने बताया कि, अनुविभागीय अधिकारी हिमांशु प्रजापति की पहल पर अगर दीपावली बाद भी टप्पा कार्यालय नियमित चलेगा तो किसानो को समय व पेसो की बचत हो जाएगी और दुरी भी कम तय करना पड़ेगी ओर समय पर काम भी हो जाएगा,

जावरा एसडीएम ने 1 वर्ष पहले दिए निर्देश, आजतक नही जागा कोई जिम्मेदार,

जावरा अनुविभागीय अधिकारी हिमांशु प्रजापति एक वर्ष पहले भ्रमण के दौरान कालूखेड़ा पहुचे थे। ठप्पा तहसील कार्यालय का निरीक्षण भी किया गया था, साथ ही भवन की हालत देखने बाद ही तत्काल एसडीएम ने ठेकेदार को निर्देश दिए थे कि, जल्दी ही कार्यालय की मरम्मत करने ओर सही करने की बात कही, वही लोकसेवा केंद्र व नायब तहसीलदार ओर राजस्व निरीक्षक के अलग-अलग केबीन बनाने के भी दिए निर्देश दिए थे।

एसडीएम जावरा हिमांशु प्रजापति- भवन को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया था जो ऊपर से भवन की स्वीकृति नही हुई है, भवन जर्जर होने के कारण अभी शिफ्टिंग नही हो सकेगा।

विधायक डॉ राजेन्द्र पांडेय जावरा- अभी भवन जर्जर है और नायब तहसीलदार का ट्रांसफर हो गया है नायब तहसीलदार कार्यालय कालूखेड़ा को चालू करवाकर जल्दी सेवाएं दी जाएगी।

नशे के खिलाफ कार्रवाई का अभियान, ढ़ाबों पर चली जेसीबी

माही की गूंज ,रतलाम।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देश पर रतलाम जिले में नशीले पदार्थों की गतिविधियों में लिप्त व्यक्तियों, अपराधिक तत्वों, माफियाओं के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी है। सोहनगढ़ तथा लुहारी के समीपस्थ फोरलेन पर स्थित मादक पदार्थों की गतिविधियों में लिप्त व्यक्तियों के 8 ढाबे तोड़े गए। कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी, पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी के निर्देशन में राजस्व, पुलिस तथा अन्य विभागों की संयुक्त कार्रवाई दिन भर चलती रही। इस दौरान 1 करोड रुपए से अधिक मूल्य के बगैर अनुमति के निर्माण तोड़े गए।

एसडीम जावरा हिमांशु प्रजापति ने बताया कि, कार्रवाई सुबह 9 बजे से प्रारंभ हुई जो शाम 4 बजे तक चलती रही। इस दौरान तीन जेसीबी मशीनों का भी इस्तेमाल किया गया। लगभग 30 व्यक्तियों का अमला कार्रवाई में शामिल रहा। उन्होंने बताया कि, ढाबों से लगातार आपराधिक गतिविधियों की सूचनाएं मिल रही थी। बगैर अनुमति के निर्माण किए गए थे। अपराधिक तत्वों का जमावड़ा बना रहता था। इसके अलावा अन्य आपत्तिजनक गतिविधियां भी देखने में आई है।

जावरा फोरलेन पर तोड़े गए ढाबे

उल्लेखनीय है कि, बीते एक सप्ताह के दौरान प्रशासन द्वारा मादक पदार्थों में लिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध अभियान में जावरा फोरलेन पर अब तक 38 ढाबो को तोड़ा गया है। जहां मुख्य रूप से मादक पदार्थ गतिविधियों में संलिप्तता, अवैध रेत भंडारण, बगैर अनुमति निर्माण, वन्य जीवों को अवैध रूप से रखने,घरेलु गैस के दुरूपयोग आदि देखने में आया है। इसके पूर्व हाल ही में हुई कार्रवाई में लगभग 3 करोड रुपए मूल्य के 29 ढाबे प्रशासन द्वारा जावरा फोरलेन पर तोड़े गए थे। उसके पूर्व भी एक ढाबा तोड़ा गया है। रतलाम जिले में मादक पदार्थों में लिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा।

संपादकीय

चीन के सैन्य मंसूबों को गंभीरता से ले भारत

सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की बीसवीं राष्ट्रीय कांग्रेस से छन-छन कर आ रही खबरें संकेत दे रही हैं कि, आने वाले दिनों में चीन के साम्राज्यवादी तेवर और मुखर होंगे। उसका फोकस सेना के आधुनिकीकरण पर बना रहेगा। ऐसे हालात में जब चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ऐतिहासिक रूप से तीसरी बार सत्ता पर काबिज होने जा रहे हैं, भारत की चिंताएं बढ़ना स्वाभाविक होना चाहिए। वे अब पिछले कई दशकों के सबसे शक्तिशाली चीनी नेता बनने वाले हैं। बीसवीं राष्ट्रीय कांग्रेस में शी जिनपिंग संकेत दे चुके हैं कि, उनके अगले कार्यकाल में सैन्य आधुनिकीकरण उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि, वर्ष 2027 में अपनी स्थापना की शताब्दी मनाने जा रही पीपुल्स लिबरेशन आर्मी को आधुनिक हथियारों व नई तकनीकों से लैस किया जाएगा। यानी सैन्य संगठन के वैश्विक मानकों के अनुरूप सेना का कायाकल्प करके दीर्घकालिक लक्ष्यों को हासिल करने का प्रयास किया जाएगा। हालांकि, चीन का अपने तमाम पड़ोसियों से सीमा विवाद व टकराव रहा है लेकिन ताइवान व भारत उसकी प्राथमिकता में रहे हैं। शी जिनपिंग ने घोषणा की है कि, पीएलए आधुनिक सैन्य तकनीकों व प्रशिक्षण के जरिये युद्ध की तैयारी में जुटेगी और लड़ने व जीतने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ेगी। जाहिर है सामरिक प्रतिरोध की प्रणाली स्थापित करने की तरफ चीन बढ़ रहा है। यहां तक कि अमेरिका पर निशाना साधते हुए शी ने चेतावनी दी है कि चीन वन चाइना पॉलिसी के तहत ताइवान को मुख्य भूमि से जोड़ने के लिये बल प्रयोग करने से पीछे नहीं हटेगा। चीन में कम्युनिस्ट पार्टी के संस्थापक माओत्से तुंग की राजनीतिक विचारधारा थी कि, 'सत्ता बंदूक की नोक से निकलती है।' उनके वारिस आज माओ के राजनीतिक सिद्धांत का अनुसरण करते हुए साम्राज्यवादी मंसूबों को विस्तार दे रहे हैं। सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की राष्ट्रीय कांग्रेस से मिल रहे संकेतों से चीन के इन्हीं इरादों का पता चलता है, जिसके चलते भारत को सतर्क रहने की जरूरत होगी।

दरअसल, राष्ट्रीय कांग्रेस में शी जिनपिंग के बयानों से साफ संकेत हैं कि चीन अपने आक्रामक तेवर कम करने के मूड में नहीं है। रूस-यूक्रेन संघर्ष के चलते पूरी दुनिया गहरी मंदी की ओर बढ़ रही है जिसका असर चीन की अर्थव्यवस्था पर भी गहरे तक पड़ा है। इसके बावजूद चीन कठोर ढंग से कोविड को लेकर ज़ीरो टॉलरेन्स की नीति का अनुसरण कर रहा है। लाखों लोगों को घरों में नजरबंद कर दिया गया है। हालांकि इससे देश की अर्थव्यवस्था इससे बुरी तरह प्रभावित हो रही है। बहरहाल, इसके बावजूद चीन आर्थिक पुनरुत्थान की प्राथमिकता के जरिए छोटे देशों की संप्रभुता से खिलवाड़ का क्रम भी जारी रखेगा। वहीं दूसरी ओर बीजिंग के परमाणु विस्तार कार्यक्रम में तेजी को लेकर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को चिंतित होना ही चाहिए। इसकी मूल वजह यह भी है कि, अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन की एक रिपोर्ट चेताती है कि चीन के पास वर्ष 2027 तक सात सौ परमाणु हथियार मौजूद होंगे। वहीं अनुमान है कि, वर्ष 2030 तक इनकी संख्या एक हजार तक होने की आशंका है। हालांकि, कम्युनिस्ट पार्टी की राष्ट्रीय कांग्रेस में शी ने भारत को लेकर कोई उल्लेख नहीं किया है, लेकिन वर्ष 2020 में चीनी सेना से भारतीय सेना के गलवान घाटी में हुए संघर्ष के वीडियो क्लिप की स्क्रीनिंग सम्मेलन के दौरान करना चीन के मंसूबों को उजागर कर ही देता है। जो अपरोक्ष रूप से भारत पर मानसिक दबाव बनाने की कुत्सित चाल ही है। बहरहाल, पीएलए के तेज आधुनिकीकरण की कोशिशों को देखते हुए भारतीय सशस्त्र बलों के लिये युद्ध की तैयारियों को ऊंचे स्तर तक ले जाने की जरूरत होगी। चीन के साम्राज्यवादी मंसूबों को देखते हुए नए सीडीएस की देखरेख में सेना के तीनों अंगों में बेहतर तालमेल स्थापित करके किसी भी चुनौती से निबटने के लिए तैयार रहना होगा। यह इसलिए भी जरूरी है कि सरकार, सेना व पार्टी पर पकड़ रखने वाले शी आने वाले दिनों में निरंकुश व्यवहार प्रदर्शित कर सकते हैं क्योंकि देश की जनता को उग्र राष्ट्रवाद लुभाता है।

भूख-बेरोजगारी का समाधान हो प्राथमिकता

विश्वनाथ सचदेव

गांव के एक अखाड़े में कुश्ती हो रही थी। एक दर्शक ने एक पहलवान की तरफ इशारा करते हुए कहा, 'वह पहलवान दूसरे पर भारी पड़ रहा है।' यह सुनकर उसका साथी बोला, 'नहीं वह दूसरे वाला पहले से हल्का है।' सामान्य बुद्धि तो यही बताती है कि दोनों ही बातों का अर्थ एक ही है, पर जानकार होने का दावा करने वाले अवश्य किसी न किसी तरीके से हल्का-भारी के इस खेल को अपने हित में, अपनी तरह से परिभाषित कर सकते हैं। हाल ही में डॉलर और रुपये के संदर्भ में हमारी वित्तमंत्री द्वारा दिया गया एक बयान ऐसा ही कुछ संकेत दे रहा है। न्यूयार्क में दिये गये इस बयान में उन्होंने कहा है कि वे स्थिति को इस रूप में देखती हैं कि रुपये की कीमत नहीं घटी, डॉलर की स्थिति मज़बूत हुई है। हमारी सहज बुद्धि तो यही कहती है कि रुपये की कीमत घटे या डॉलर की बढ़े मतलब एक ही है। यह सही है कि दुनिया के अन्य कई देशों की मुद्रा में भी गिरावट आयी है, पर इससे यह तथ्य तो बदल नहीं जाता कि वर्ष 2014 में हमें एक डॉलर की वस्तु खरीदने के लिए लगभग चालीस रुपये खर्च करने पड़ते थे, अब बयासी रुपये से अधिक खर्च करने पड़ रहे हैं!

हो सकता है अर्थशास्त्रीय संदर्भों में डॉलर और रुपये की कीमतों के अंतर का कोई और मतलब होता हो, पर विशेषज्ञों के उस तरह के बयान आम जनता को तो भ्रमित करते ही हैं।

भ्रमित होने या भ्रमित करने का यह खेल हमारे राजनेता अक्सर खेलते रहते हैं। ऐसे ही एक खेल का उदाहरण वैश्विक भूख सूचकांक को लेकर भी फैलाया जा रहा है। हाल ही में जारी हुए एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन के बयान में इस बात पर चिंता प्रकट की गयी है कि वैश्विक भूख सूचकांक की तालिका में भारत की स्थिति पिछले साल से कुछ और बुरी हो गयी है। 121 देशों की इस सूची में अब भारत का स्थान 107वां है, जबकि पिछले साल यानी वर्ष 2021 में 116 देशों में भारत का स्थान 101वां था।

वैश्विक भूख सूचकांक दुनिया में भूख का स्तर नापने का एक पैमाना है, और इसके अनुसार भूख के संदर्भ में भारत की स्थिति पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका आदि पड़ोसी देशों से भी बुरी है। सिर्फ अफगानिस्तान ही इस सूची में हमसे नीचे है। होना तो यह चाहिए था कि यह सूची हमारे नेताओं को स्थिति की गंभीरता के प्रति सावधान करती और वे इस आशय के बयान देते कि स्थिति को सुधारने के लिए वे क्या करने जा रहे हैं, पर हमारे नेतागण तो सूची जारी करने वाले अंतर्राष्ट्रीय संगठन की नीयत पर ही शंका कर रहे हैं! उन्हें लग रहा है कि कुछ विदेशी एजेंसियां जान-बूझकर भारत को बदनाम करना चाहती हैं! पिछले साल भी भारत ने इस सूची पर असंतोष प्रकट किया था।

इस संगठन ने भूख का सूचकांक तय करने के चार मानक तय किये हैं, इन चार में से तीन का संबंध सीधे भूख से न होकर पांच साल तक के बच्चों के कुपोषण से है। भारत इसी आधार पर इस वैश्विक सूचकांक को भ्रमित करने वाला बता रहा है।

बहरहाल, आंकड़ों और नीयत पर संदेह करने के बजाय होना यह चाहिए कि हम स्थिति को समझने की कोशिश करें और उसे बेहतर बनाने के तरीके खोजें। यह सही है कि आज हमारे देश में खाद्यान्न की कमी नहीं है, और अस्सी करोड़ लोगों को मुफ्त अतिरिक्त अनाज देकर भूख के खिलाफ संघर्ष किया जा रहा है। लेकिन हमारे देश में रोज़गार और महंगाई की स्थिति सरकारी प्रयासों के बौनेपन को ही दर्शा रही है। इस दिशा में जितना और जो कुछ होना चाहिए, वह हो नहीं पा रहा। बेरोज़गारी का आलम यह है कि सारे दावों और वादों के बावजूद शहरी और ग्रामीण, दोनों क्षेत्रों में लोग रोज़ी-रोटी की तलाश में भटकते फिर रहे हैं। विश्व बैंक के पूर्व अर्थशास्त्री कौशिक बसु ने कुछ अर्सा पूर्व कहा था कि हमारे देश में हर चार में से एक युवा बेरोज़गार है अर्थात? 25 प्रतिशत बेरोज़गारी। उन सभी देशों में, जिनसे भारत अपनी तुलना करना चाहता है, अर्थात बेहतर स्थिति वाले देश, यह दर 15 प्रतिशत से कम ही है। यह स्थिति तो युवाओं की ही है, अधिक उम्र वाले भी बेरोज़गारी की मार झेल रहे हैं। हाल ही में एक खबर मीडिया में काफी उछली थी कि एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर की भारतीय खिलाड़ी के सम्मान में उसके गांव तक बनवायी जाने वाली सड़क के निर्माण कार्य में उसी खिलाड़ी के मां-बाप मज़दूरी करते पाये गये थे!

यह सही है कि दुनिया भर में बेरोज़गारी एक चुनौती बनी हुई है, पर इसे नज़रअंदाज़ करने का मतलब समस्या से छुटकारा पाना तो नहीं हो सकता। बेरोज़गारी, गरीबी, महंगाई और स्वास्थ्य जैसी समस्याओं से जूझने की आवश्यकता है। यह तभी संभव है जब समस्याओं के अस्तित्व को स्वीकारा जाये। इन समस्याओं की ओर इशारा करने वालों की नीयत पर ही शक करना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता।

बेरोज़गारी, महंगाई, स्वास्थ्य और गरीबी आज हमारी सबसे बड़ी समस्याएं हैं। इनकी उपेक्षा करने का मतलब स्वयं अपनी उपेक्षा करना है। आज जिस तरह से महंगाई बढ़ रही है, वह खतरनाक स्थिति है। महंगाई और बेरोज़गारी मिलकर देश के सामाजिक ताने-बाने को भी कमज़ोर बना रही हैं। यह स्थिति सुधरनी ही चाहिए। जैसे कचरा दरी के नीचे डाल देने से वह साफ नहीं हो जाता, वैसे ही इन समस्याओं की अनदेखी भी समस्या की गंभीरता को बढ़ाने वाली ही है।

इन समस्याओं से जूझना तो हमारी एक समस्या है ही, समस्या यह भी है कि हम इनके अस्तित्व से ही इंकार करने लगते हैं। अस्सी करोड़ लोगों को कोविड के दौरान मुफ्त अनाज देना एक ज़रूरी और अच्छी कार्रवाई थी, अब भी यह प्रक्रिया जारी रखना समझ में आता है। पर समस्या का निराकरण मुफ्त अनाज नहीं है, समस्या को जड़ से मिटाने की ज़रूरत है। क्यों गरीबी इतनी बढ़ी कि अस्सी करोड़ लोगों को रूखी-सूखी रोटी के लिए भी भिखारियों की तरह हाथ फैलाने पड़े? इस 'क्यों' का उत्तर तलाशने की आवश्यकता है, ऐसी स्थिति बनाने की आवश्यकता है, कि यह 'क्यों' बचे ही नहीं। यह तभी संभव है जब हम पहले इस स्थिति को समझना ज़रूरी समझें। स्पष्ट शब्दों में मानना पड़ेगा कि बेरोज़गारी और महंगाई हमारी समस्याएं हैं। रुपये की कीमत नहीं घटी, डॉलर का मूल्य बढ़ा है, यह कहने-मानने से बात नहीं बनेगी। चाकू खरबूजे पर गिरे या खरबूजा चाकू पर, इसका मतलब और परिणाम एक ही होता है। कटता खरबूजा ही है। आज देश में जैसी स्थितियां बन रही हैं, उनमें देश का आम नागरिक पिस रहा है। उसकी समस्या को ओछी राजनीति से ऊपर उठकर देखने की आवश्यकता है। तभी वास्तविकता दिखेगी, तभी वास्तविकता बदलेगी।

जीएसटी के नाम पर लूट, सरकार से बचे तो दुकानदार से लुटे

सनत जैन

भारत सरकार जिस तरीके से ताबड़-तोड़ नियम और कानून बना रही है। उन नियमों और कानूनों के बल पर आम जनता को बुरी तरह से लूटा जा रहा है। महंगाई और बेरोजगारी से त्रस्त जनता को, इस तरह की लूट, विद्रोही बनाने पर आमादा है। एमआरपी के नाम पर दवा सहित खाद्य पदार्थों एवं अन्य चीजों में 30 से 80 फ़ीसदी तक ज्यादा कीमत प्रिंट करके आम उपभोक्ताओं को लूटने का सिलसिला, पिछले कई वर्षों से चल रहा है। जीएसटी कानून के अंतर्गत जो भी टैक्स वसूल किया जा रहा है। वह आम आदमी को चुकाना पड़ रहा है। गरीब हो या अमीर सभी एक ही डंडे से हांके जा रहे हैं। पिछले 5 वर्षों में जीएसटी का दायरा बढ़ता ही चला जा रहा है। इसमें वह सभी चीजें शामिल हो रही हैं,जो आम आदमी के लिए कभी या रोजाना की आम जरूरतों की हैं। सभी के टैक्स की रेट भी बढ़ा दिए गए हैं। शायद ही ऐसी कोई चीज छूटी हो, जो जीएसटी के दायरे से बाहर हो।

हाल ही में खाने पीने की चीजों में जीएसटी की दरें निर्धारित की गई है। यदि आप रेस्टोरेंट में बैठकर खा रहे हैं। तो 5 फ़ीसदी टैक्स लगेगा। यदि आप घर लेकर जा रहे हैं, तो 12 फ़ीसदी टैक्स लगा। आइसक्रीम यदि पैक कराकर घर ले जा रहे हैं, तो 18 फ़ीसदी टैक्स देना होगा। पानी रेस्टोरेंट पर बैठ कर पीने में 5 परसेंट और ले जाने पर 18 फ़ीसदी टैक्स देना होगा।

गुजरात अपीलेट अथॉरिटी ने पराठे पर 18 फ़ीसदी टैक्स को जायज ठहरा दिया है। जुलाई माह में जीएसटी की जो नई अधिसूचना जारी हुई है। उसमें एक ही तरह की वस्तु में 2 अलग-अलग दरों पर टैक्स वसूल किए जा रहे हैं। इसमें उपभोक्ता ही लूट रहा है। दुकानदार और सरकार कमाई करने के लिए इन नियमों का बेजा फायदा उठाते हैं। जीएसटी की बढ़ाई अब स्कूलों एवं कॉलेजों में अनिवार्य किये जाने की मांग भी आने लगी है।

हे भगवान..... भारत सरकार ने किस तरीके के नियम बनाए हैं?इसकी बानगी ड्राई फ्रूट के काजू पर 5 फ़ीसदी टैक्स बादाम पर 12 फ़ीसदी, रोस्टेड काजू पर 12 फ़ीसदी टैक्स है। अगर ड्राई फ्रूट के साथ में बैकरी है, चॉकलेट रखी है, तो 18 फ़ीसदी टैक्स आम उपभोक्ता को लग रहा है।

जीएसटी में जिस तरह का टैक्स स्ट्रक्चर बनाया गया है। उसका पालन कराने के लिए सरकार को अपने एक-एक अधिकारी को दुकानों में नियुक्त करना चाहिए। ताकि टैक्स की सही वसूली हो सके। जिस तरह के टैक्स लगाए गए हैं। उसमें प्रयोग के तौर पर न्यायाधीशों की ड्यूटी भी लगा देनी चाहिए। ताकि उन्हें भी सरकार के बनाए हुए एक्ट और नियमों का पालन टैक्स देने वाला किस तरह से कर पाएगा। इसका ज्ञान हो आम उपभोक्ता इस टैक्स प्रणाली में किस तरह लुट रहा है। दुकानदारों को कहां परेशानी आ रही है। किस तरीके से टैक्स की चोरी हो रही है। यह सब जानना सभी वर्गों के लिये जरूरी हो गया है।

सरकार के बनाए गए नियमों के मकड़जाल मैं न्याय दे पाना, ना तो न्यायालयों के बस की बात है। ना ही जिन्होंने कानून बनाए हैं, वह इस मकड़जाल सेबाहर निकल सकते हैं। जीएसटी का यह मकड़जाल आम उपभोक्ताओं को ही मार रहा है। सरकार के लिए आम उपभोक्ता और दुकानदार नींबू की तरह हैं। जितनी ताकत से निचोड़ेगे,उतना ही रस निकलेगा। इस तरह की टैक्स वसूली भारत में पहली बार देखने को मिल रही है। जीएसटी में आम आदमी लुट रहा है। उसके साथ साथ अब वह विद्रोही भी हो रहा है। वॉल स्ट्रीट जर्नल में छपा विज्ञापन भी इसी तरह की अन्तरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया है। यह सरकार को समय रहते समझना होगा।

हिन्दी मे चिकित्सा शिक्षा की चुनौतियां

राकेश कुमार वर्मा

हिन्दी में चिकित्सा शिक्षा पाठ्यक्रम सुनिश्चित कराने के साथ ही मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने इस तथ्य के पक्ष में महात्मा गाँधी के संकल्प को दोहराते हुए बताया कि, मातृभाषा में शिक्षा की व्यवस्था देश की सच्ची सेवा है, इसलिए नई शिक्षा नीति के तहत क्षेत्रीय और मातृभाषा को महत्व दिया जा रहा है। उन्होंने आशा व्यक्त किया कि मातृभाषा में चिकित्सा शिक्षा के अध्ययन से भारत विश्व में शिक्षा का बड़ा केन्द्र बनेगा।

भारत एक सघन बहुभाषी देश है जहां वर्ष 2011 की जनगणना प्रक्रिया में मातृभाषाओं की संख्या 19 हजार 569 दर्ज की गई। मातृभाषायी शिक्षा की वकालत के परिप्रेक्ष्य में कोठारी आयोग ने राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2005 को दोहराया था लेकिन इस दिशा में कोई निर्णायक प्रयास नही हुआ अन्यथा 50 वर्षों बाद अब इन्हीं तथ्यों को शिक्षा नीति में पुनः दर्ज करने की आवश्यकता नहीं होती। नीति परिवर्तन के पूर्व हमें समय की चुनौतियों को पहचानने और उनका सामना करने की तैयारियों के साथ प्रस्तुत होना चाहिये था। चूँकि सरकार ने इस दिशा में सतही काम शुरू कर दिया है तो उसके सकारात्मक परिवर्तन की आशा की जानी चाहिये।

नई शिक्षा नीति की अनुशंसाओं के साथ ही मातृभाषा से शिक्षण का प्रयास शुरू हो गया है। यह नीति अनेक उपाय सुझाती है जैसे स्थानीय भाषा में पाठ्यसामग्री का निर्माण, बहुभाषी शिक्षण की व्यवस्था, केन्द्र और राज्य सरकारों द्वारा स्थानीय भाषाओं के जानकार शिक्षकों की व्यवस्था, क्षेत्रीय प्रोद्योगिकी का उपयोग। इसके साथ ही विज्ञान और गणित की पाठ्य सामग्री यथांसभव द्विभाषी बनाई जायेगी जिसमें एक भाषा अँग्रेजी भी होगी। निश्चित ही यह नीति भारतीय जनमानस से औपनिवेशिक पहचान को स्थानीयकरण के मजबूत सैद्धांतिक आधार तैयार करने में सक्षम होगी। क्योंकि भारत में :-

वैज्ञानिकाश्च कपिलः कणादः शुश्रुस्तथा। चरको भास्कराचार्यो वराहमिहिर सुधी।।

नागार्जुन भरद्वाज, आर्यभट्टो वसुर्वंधः, ध्येयोवेंकट रामश्चविजा रामानुजायः।।

को चरितार्थ करता विज्ञों की समृद्ध परम्परा रही है, लेकिन भूमण्डलीकरण के इस परिदृश्य में चरक, पतंजलि और बाग्भट्ट के पारम्परिक सिद्धान्तों का अनुकरण आसान नहीं होगा। इस संबंध में विशेषज्ञों का मानना है कि हिन्दी में एमबीबीएस की शिक्षा के लिए चिकित्सा शब्दावली का हिन्दी में अनुवाद सहित अभी बड़ी तैयारियों की आवश्यकता है। वर्तमान जारी नवीन पुस्तकों में देवनागरी जैसे लेखन में अभी 'र' अक्षरों के प्रयोग को लेकर कई विसंगतियां आने की संभावना है। राज्य सरकार ने हिन्दी में चिकित्सा पाठ्यक्रम तैयार करने का दायित्व हिन्दी विश्वविद्यालय को सौंपा है लेकिन इसमें विशेषकर आदिवासी विद्यार्थियों को इसका लाभ पहुंचाने के लिए विशेष प्रयास की आवश्यकता है।

इस संबंध में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डाक्टर भरत छपरवाल की धारणा है कि विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध क्षेत्र में अद्यतन प्रगति के साथ गुणवत्तापूर्ण पाठ्यपुस्तके हैं। ब्रिटिश मेडीकल जर्नल और न्यू इंग्लैण्ड जर्नल जैसी गुणवत्ता वाली मेडीकल पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध लेखों को पाठ्यपुस्तकों में स्थान पाने के लिए न्यूनतम चार साल लग जाते हैं । अर्थात सरकार ने इस घोषणा से पहले पर्याप्त तैयारी नहीं की। चूंकि जापान, फ्रांस, चीन रूस जैसे देशों ने अपनी मूल भाषा में चिकित्सा शिक्षा के लिए सदियों से शोध कर एक समृद्ध पाठ्यक्रम सामग्री विकसित की है, इसलिए वहा इस प्रकार की नीति सफल है।

विविध कटिबंध और उससे प्रभावित जीवनशैली के बावजूद दुनिया एक मोहल्ले में परिवर्तित हो गई हो तो ऐसे में चिकित्सा और सैन्य जैसे क्षेत्रों में एक मानक यूनिफार्म स्वरूप सुरक्षात्मक कवच आवश्यक हो जाता है। जिस प्रकार संघ की शाखा पद्धति का विश्वभर में संस्कृत यूनिफार्म है। इस परिप्रेक्ष्य में भाषा की एकरूपता वाली सुरक्षात्मक दीवार को गिराना 'नीम हकीम खतरे जान' जैसी विसंगतियों का नासूर बन सकती हैं। भारत जैसे देश में इसका खतरा और बढ़ जाता है। शायद इसीलिए विज्ञापन के तारतम्य में भारतीय चिकित्सा परिषद ने जहाँ स्वास्थ्य से संबंधित दवा के प्रति उदारता बरती वहीं उपचार संबंधी दवाओं के विज्ञापन के प्रति कठोरता दिखाते हुए उसे गैरकानूनी बताया। उदाहरण के लिए अतिअम्लता से उत्पन्न उदरशूल से निजात पाने के लिए प्रायः 'एण्टासिड' दवा का उपयोग किया जाता है लेकिन इसके सहदुष्परिणाम से होने वाले ध्वजपतन (यंत्रयोग विकार) हमारे दाम्पत्य जीवन को प्रभावित करता है। वैश्वीकरण के इस युग में अंतर्राष्ट्रीय प्रतिमानों के अनुरूप किसी जटिल शल्य क्रिया पर एक देश का चिकित्सक अन्य देश के चिकित्सकों की सहायता प्राप्त करता है, ऐसे में यह नीति कहाँ तक कारगर होगी, कह पाना मुश्किल है।

हालांकि बाजारवाद के युग में एलोपैथी चिकित्सा विश्व के संपूर्ण अर्थतंत्र को प्रभावित करता है। भारत के बड़े बाजार पर छद्मरूपों से अभी भी यह एकाधिकार बनाये हुए है। ज्ञान अपरिमित है इसके दोहन के लिए परस्पर अनुकरण से हम जीवन को समुन्नत बनाते हैं लेकिन जब हम अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करने के लिए अन्य मापदण्डों की उपेक्षा करने लगें तो उससे हमारा अहंकार बढ़ता है। इसलिए आरएक्स को यथावत रख भाषा को फासिस्ट मानसिकता के दोष से मुक्त रखना श्रेष्यकर होगा। चिकित्सकों द्वारा ओपीडी पर्चों पर अँग्रेजी में लिखी दवाओं को अधिकृत भेषज्ञ नही बल्कि सरकारी स्कूलों से यदाकदा बारहवी पढ़कर आये अपात्र व्यक्ति ही वितरित करते हैं। ऐसे में सरकार द्वारा झोलाछाप डाक्टरों के निर्मूलन के लिए किया गया अब तक का प्रयास सर्पशिशुओं की तरह सहसा शतगुण होकर हाल ही में पनपे खांसी की दवा से मारे गये 66 अफ्रीकी बच्चों जैसे हश्र की पुनरावृत्ति नहीं करेगा? किसी व्याधि के लिए हिन्दी में लिखी दवाओं की समग्र पुनरावृत्ति के दुष्परिणामों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इस व्यवस्था से चिकित्सक और रोगी के बीच स्थापित कल्याणकारी विस्थापन भंग होने से सामाजिक व्यवस्था प्रभावित होगी।

अँग्रेजी सिर्फ सत्ता, प्रतिष्ठान, ज्ञान विज्ञान और शिक्षा के माध्यम में नहीं बल्कि भूमंडलीकरण के बाद से तो देश में यह मध्यमवर्गीय समाज के सपनों में शामिल हो चुकी है। यही कारण है कि न्यूनतम और द्वितीयक संसाधनों के साथ अंग्रेजी माध्यम के विद्यालय सुदूर क्षेत्रों में कुकुरमुत्तों की तरह फैल रहे हैं। ऐसे में यह नीति इन विद्यालयों पर किस तरह बंधनकारी होगी जिससे स्थानीय भाषाओं को प्राथमिकता मिले। क्योंकि देश की सभी भाषायें राष्ट्रीय हैं इसलिए इनका उन्नयन हमारा कर्तव्य है। दूसरी तरफ देश में निजी विद्यालयों का बढ़ता बाजार और उन्हें पोषित करने वाले सरकारी और राजनीतिक परंपराओं ने जो परिवेश तैयार किया है उसमें भाषा और संस्कृति से अधिक चिन्ता पूँजी निर्माण की रही है। ऐसी स्थितियों में मातृभाषा में शिक्षण की कसौटी को किन मूल्यों पर निर्धारित किया जायेगा यह विचारणीय है। प्रसिद्ध अमरीकी मानवविज्ञानी फ्रांज बोआज ने कहा है कि अगर परंपरा के रूप में अपने ऊपर थोपी गई बेड़ियों को हम पहचान पाएं तो ही उन्हें तोड़ सकने में समर्थ हो सकते हैं।

निश्चित ही यह नीति राष्ट्रीय स्वाभिमान के प्रति हमे सजग करती है लेकिन इसका अनुपालन न सिर्फ सरकारों की दृढ़ इच्छा और दूरदर्शिता पर निर्भर करेगा बल्कि संपूर्ण समाज को इस चुनौती का सामना करने के लिए प्रतिबद्धता दिखानी होगी।

जिला इस मामले में बना नंबर वन, सीएम कर चुके सम्मानित

माही की गूंज, शाजापुर।

जिले में ऊर्जा के संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य को लेकर ऊर्जा साक्षरता अभियान जारी है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 25 नवंबर 2021 को शाजापुर से ऊर्जा साक्षरता अभियान की शुरूआत की थी। शुरुआत से ही जिला ऊर्जा साक्षरता पंजीयन में प्रथम स्थान पर रहा है। कलेक्टर दिनेश जैन के नेतृत्व में शाजापुर जिला प्रदेश में ऊर्जा साक्षरता अभियान में सर्वाधिक एक लाख से अधिक नागरिको का पंजीयन व प्रमाणीकरण करके ऊर्जा साक्षर बनाया गया है। ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए ''ऊर्जा साक्षरता अभियान'' अभियान अंतर्गत शाजापुर में अधिक से अधिक आमजनो की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए अभी तक प्रदेश में सर्वाधिक एक लाख से अधिक लोगो को ऊर्जा साक्षरता पोर्टल पंजीकृत किया जाकर अभियान से जोड़ा गया है। इन्ही सराहनीय प्रयासो को लेकर सीएम शिवराज सिंह चौहान द्वारा भोपाल में कलेक्टर दिनेश जैन को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित भी किया जा चुका है। शाजापुर में ऊर्जा साक्षरता अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर दिनेश जैन के द्वारा विशेष कार्य योजना तैयार की गई। जिसमें प्रथम चरण में समस्त विभागों के शासकीय अधिकारी/कर्मचारियों के शत प्रतिशत ऊर्जा साक्षरता पोर्टल पर पंजीयन के साथ सर्टिफिकेशन करवाया जाकर अभियान से जोड़ा गया। एक लाख अधिक लोगो का जिसको लेकर जिले प्रशासनिक अधिकारीयो व आमजन में हर्ष की लहर है। ऊर्जा साक्षरता के प्रति जागरूक करने का लक्ष्य रखा गया था। ऊर्जा साक्षरता अभियान में आम नागरिकों, स्कूल कॉलेज के विद्यार्थियों एवं शासकीय कर्मचारियों द्वारा बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया जा रहा है। ऊर्जा की बचत के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए इस अभियान से जुड़ने हेतु आमजनों को प्रेरित भी किया जा रहा है। जिले के नगरीय निकायों में कलेक्टर जैन सहित जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में अभियान चलाया गया। अभियान में 13 सितंबर को शाजापुर शहर में तथा 23 सितंबर को राज्य शासन द्वारा चलाए गए सेवा पखवाड़ा अंतर्गत जिले की समस्त नगरीय निकायों एवं ग्राम पंचायतों में एक दिवसीय अभियान चलाया गया। इसी के साथ विगत 14 अक्टूबर को जिले के नगरीय निकाय शुजालपुर एवं अकोदिया में भी कलेक्टर श्री जैन के नेतृत्व में विशेष अभियान चलाया जाकर अधिक से अधिक आमजनो को ऊर्जा बचत के बारे में जागरूक कर अभियान से जोड़ा गया है। अभियान के दौरान कलेक्टर द्वारा जिले के नागरिको से ऊर्जा बचत के लिए एक घंटे (प्रातः 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक) स्वेच्छा से विद्युत उपकरण बंद रखे जाने की अपील की गई। कलेक्टर की अपील पर जिले के नागरिको द्वारा विद्युत उपकरण बंद रख कर अभियान में सहयोग दिया गया। प्रदेश में सर्वप्रथम शाजापुर जिले के एक लाख से अधिक नागरिको को ऊर्जा साक्षरता अभियान से जुड़ने पर कलेक्टर दिनेश जैन ने अभियान से जुड़े प्रत्येक अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी है। साथ ही अभियान हेतु विशेष प्रयास के लिए ऊर्जा साक्षरता अभियान के नोडल अधिकारी एवं जिला कोषालय अधिकारी जीएल गुवाटिया, जिला ई-गवर्नेंस प्रबंधक बीरमसिंह सौंधिया के द्वारा किये गए सराहनीय कार्य की प्रशंसा की गई। साथ ही जिले के समस्त नागरिकों को अभियान से जोड़ने, ऊर्जा बचत के प्रति जागरूक करने एवं लोगो द्वारा ऊर्जा के व्यय को कम करने के उपाय अपनाये जाने के लिए अभियान में निरंतरता बनाए रखने के निर्देश कलेक्टर जैन द्वारा दिए हैं।

नाव नहीं मिलने से पांच महिलाओं की चंबल में डूबने से हुई मौत

माही की गूंज, मंदसौर।

शामगढ़ थाने के चंदवासा चौकी क्षेत्र में रविवार शाम फसल काटकर लौट रहीं 5 महिलाओं की जान नाव नहीं मिलने से हो गई। रविवार को नाव नहीं मिलने से 8 लोग जान-जोखिम में डालकर पैदल ही चंबल नदी पार करने लगे। इस दौरान सिर पर गठरी होने से पैर फिसला और बचने के लिए उन्होंने एक-दूसरे का सहारा लिया बावजूद 5 महिलाएं डूब गईं। तोलाखेड़ी निवासी रानू गायरी पिता रामनारायण धनगर (15), भेरूलाल पिता कंवरलाल धनगर (28), मधु पिता कान्हाजी धनगर (17), धापूबाई पति गोपाल धनगर (35), राधा पिता मांगीलाल (16), प्रेमबाई पति बालू सिंह (35), रसालबाई पति राधेश्याम धनगर (40) व गुड्डीबाई पति बालू गायरी (32) रविवार सुबह नाव में सवार होकर चंबल नदी के डूब क्षेत्र में स्थित खेतों तक गए। शाम 5 बजे सभी लौटे लेकिन नाव नहीं होने से सभी पैदल ही नदी पारकर गांव की ओर बढ़ने लगे।

महिलाओं ने सिर पर गठरी रख रखी थी। खेत से करीब आधा किमी दूर ही किसी एक का पैर फिसल गया और सभी गहरे पानी में चले गए। सभी ने एक-दूसरे का हाथ पकड़कर बचने का प्रयास किया। भेरूलाल ने नदी में स्थित खंभे के सहारे रानू को खड़ा कर अन्य को बचाने का प्रयास किया लेकिन वह सफल नहीं हुआ। इसी दौरान वहां मौजूद गोपाल पिता बाबूलाल, राहुल पिता जगदीश, ईश्वर पिता सोल्या, रामसिंह पता दामोदर ने नाव की सहायता से भेरूलाल व रानू को बाहर निकाला। गुड्डीबाई भी तैरकर खुद को बचाने में सफल रही। रविवार रात मधु, धापूबाई, राधा, प्रेमबाई के शव मिल गए। अंधेरा होने के चलते सोमवार सुबह फिर रेस्क्यू हुआ। दोपहर 12 बजे रसालबाई का शव भी मिल गया।

तैरने से बच गई गुड्डीबाई

गुड्डीबाई ने बताया, दुर्घटना के समय किसी का पैर फिसला और बारी-बारी से सभी पानी में गिर गए। सब कुछ इतना जल्दी हुआ की समझने का समय ही नहीं मिला। मैं भी डूब रही थी लेकिन तैर कर वापस लौटने से बच गई।

एक हजार लोग करते हैं आना-जाना

मौके पर मौजूद गोपाल ने बताया, गांव के करीब एक हजार लोग रोज नाव से ही टापू पर बने खेत तक जाते हैं। रविवार को भी सभी नाव से ही खेत पर गए थे। वापसी में पैदल ही आ रहे थे। खेत पर जाने के लिए यह रोड भी ग्रामीणों के सहयोग से ही बनी है। इस पर हमेशा पानी रहता है। कहीं-कहीं ज्यादा पानी रहता है। रोड के नीचे नदी बहुत गहरी है।

नारकोटिक्स विंग ने एक क्विंटल अवैध डोडाचूरा किया जप्त, आरोपी गिरफ्तार

माही की गूंज, मंदसौर।

सीतामऊ थाना क्षेत्र में दबिश देकर नीमच नारकोटिक्स विंग ने एक क्विंटल अवैध डोडाचूरा के साथ राहुल पिता पुरालाल गुर्जर को गिरफ्तार किया था। आरोपी को कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया।

नारकोटिक्स विंग ने राहुल की निशानदेही पर डोडाचूरा की डिलेवरी लेने वाले सुरेश पिता मांगीलाल गुर्जर निवासी रिच्छा गुर्जर थाना रिंगनोद रतलाम को गिरफ्तार किया है।

जबकि मामले में शामिल सुरेश के मामा उदयसिंह गुर्जर की पुलिस तलाश कर रही है। उदय के मिलने के बाद अपराध में शामिल अन्य डोडाचूरा तस्कर के बारे में सुराग मिल सकता है।

नीमच विंग के निरीक्षक शिवराम निर्वेल ने बताया कि, अवैध रूप से ट्रैक्टर-टॉली में डोडाचूरा भरकर जा रहे राहुल को सीतामऊ थाना क्षेत्र के ग्राम सुर्याखेड़ा मार्ग से गिरफ्तार किया था।

पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि, डोडाचूरा सुरेश और उदयसिंह गुर्जर निवासी ग्राम रिच्छा गुर्जर थाना रिंगनोद को देने के लिए जा रहा था। इससे पहले ही पुलिस के हत्थे चढ़ गया। राहुल ने बताया कि, डोडाचूरा उसी के घर से लेकर आया था।

धार्मिक स्थल पर हुई थी मुलाकात

विंग के अधिकारियों के अनुसार राहुल की मुलाकात सुरेश और उदयसिंह से जोगणिया माता मंदिर में हुई थी। यहां दोनों ने राजस्थान निवासी किसी तस्कर को डोडाचूरा देने के लिए मंगवाया था। इसी की डिलीवरी देने के लिए वो जा रहा था। डोडाचूरा का भाव एक हजार 100 रूपए किलो तय हुआ था।

मुख्य मार्गों से आवारा पशुओ को हटाएं- कलेक्टर जैन

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

माही की गूंज, शाजापुर।

शहरों के मुख्य मार्ग से नगरीय निकाय आवारा पशुओं को हटाएं। उक्त निर्देश कलेक्टर दिनेश जैन ने जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्रीमती मंजूषा विक्रांत राय, अनुविभागीय अधिकारी शाजापुर नरेन्द्र नाथ पाण्डेय एवं शुजालपुर सत्येन्द्र प्रसाद सिंह, जिला परिवहन अधिकारी एपी श्रीवास्तव, महाप्रबंधक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना हेमंत शिवहरे, एनएचएआई इंजीनियर अभिषेक गौर, सेफ्टी मैनेजर वीपी सक्सेना, एजीएम एमपीआरडीसी अभिषेक गोखरू, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण रविन्द्र कुमार वर्मा, सीएमएचओ डॉ. आर निदारिया, जिला शिक्षा अधिकारी विवेक दुबे, ब्रिज कार्पोरेशन एसडीओ जेडबी मिर्जा, सीएमओ राकेश चौहान, ट्रेफिक टीआई सत्येन्द्र सिंह राजपूत भी मौजूद थे।

बैठक में कलेक्टर जैन ने नगरपालिका सीएमओ को निर्देश दिए कि, वे ट्रांसपोर्ट नगर के लिए भूमि आवंटन के संबंध में तत्काल प्रस्ताव दें। प्रमुख मार्गों से आवारा पशुओं को हटाएं। नगरीय निकाय नगरीय क्षेत्र में सड़कों की आवश्यक मरम्मत करें। साथ ही सड़कों से संबंधित अन्य विभाग भी अपनी-अपनी सड़कों की मरम्मत कराएं। सभी मंडियों के सचिव मंडियों में आने वाले ट्रेक्टर-ट्रॉलियों के पीछे रिफ्लेक्टर के लिए रेडियम पट्टी लगावाएं। यातायात प्रभारी बिना रेडियम की ट्रेक्टर-ट्रॉलियों के चालान बनवाएं और उनसे रेडियम की पट्टी लगवाएं। ट्रॉली निर्माताओं को भी निर्देश दिये कि विक्रय के समय ट्रॉलियों पर रेडियम की पट्टी अनिवार्य रूप से लगाएं। ग्रामीण क्षेत्रों में भी ट्रॉलियों पर रेडियम पट्टी लगवाने के लिए सरपंचों एवं जनप्रतिनिधियों को जागरूकता अभियान चलाने के लिए कहें। फोरलेन प्रमुख सड़कों पर विपरित दिशा से आने वाले वाहनों के विरूद्ध कार्रवाई करें। बिना हेलमेट एवं सीट बेल्ट लगाए लोगों को पेट्रोल पंपों से ईंधन नहीं देने के लिए कलेक्टर ने निर्देश दिये। जिन पेट्रोल पंप मालिकों द्वारा बिना हेलमेट के पेट्रोल विक्रय किया जा रहा हो, ऐसों के विरूद्ध जिला आपूर्ति अधिकारी नियम अनुसार कार्रवाई करें। कलेक्टर ने सीएमएचओ को निर्देश दिए कि वे दुर्घटनाग्रस्त होकर आए लोगों की जानकारी तत्काल जिला परिवहन अधिकारी को दें। साथ ही कलेक्टर ने अनुविभागीय अधिकारियों से भी कहा कि, वे नगरीय क्षेत्रों में भ्रमण कर सड़कों पर सुगम यातायात आदि सुचारू है कि नहीं देखें।

पंचायत सचिव, रोजगार सहायक ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले के गरोठ उपखंड और जनपद पंचायत क्षेत्र के सचिवों द्वारा एक ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम सौंपा गया। जिसमें प्रदेश के 48 हजार पंचायत सचिव और सहायक सचिव की 4 वर्षों से लंबित अत्यंत महत्वपूर्ण मांगों का 5 अगस्त 2021 को दिए गए आश्वासन के अनुसार करने और मांगे नहीं पूरी होने पर भावी आंदोलन की चेतावनी दी गई। ज्ञापन में बताया कि, गरोठ जनपद क्षेत्र में 100 ग्राम पंचायत है जिनमे सचिव, सहायक सचिव एवं रोजगार सहायक पदस्थ हैं, जो शासन का पूरा कार्य इमानदारी से निर्वाह करते आ रहे हैं। वर्तमान में जो काम पंचायत विभाग के नहीं है, वह भी हम पर थोपे जा रहे हैं। पंचायत सचिव सहायक सचिव के ऊपर स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग व अन्य विभागों के कर्य तथा मनरेगा सहित अन्य कार्य लिए जा रहे हैं, जिन्हें तत्काल बंद करने की मांग की गई। पिछले 4 वर्षों से हमे उपेक्षात और सौतेला व्यवहार सरकार द्वारा हम सचिव तथा सहायक सचिव के साथ किया जा रहा है। 23 हजार पंचायत सचिवों को सातवां वेतनमान का लाभ और एरिया सहित भुगतान किए जाने की मांग की है। छठे वेतनमान में जो त्रुटि है उसे सुधारने की मांग ज्ञापन के माध्यम से पंचायत सचिव द्वारा की गई। साथ ही प्रदेश में रोजगार सहायक सचिवों की और निश्चित वेतनमान पर नियमित करने नियमित वेतनमान देकर किए जाने की मांग की गई।

प्रदेश में सैकड़ों अनुकंपा के प्रकरण आरक्षण और रोस्टेड कंप्यूटर ऑनलाइन आदि के कारण ठंडे बस्ते में पड़े हैं। जिससे जिले में कई जगह पद रिक्त हो करके सो प्रतिशत आवेदनकर्ताओं को प्रदान किए जाने की मांग की गई। साथ ही चेतावनी दी कि प्रदेश के 52 जिला मुख्यालय पर 1 नवंबर को प्रदेश के 52 जिला मुख्यालयों पर एक दिवसीय रैली धरना प्रदर्शन और ज्ञापन सौंपा जाएगा।

पुष्य-नक्षत्र से शुरू हुई बाजार में खरीदी, अब बाजार रहेगा गुलजार

माही की गूंज, अकोदिया।

कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर के बाद शहर के व्यापारियों को उम्मीद थी कि पुष्य नक्षत्र से बाजार में रौनक आ जाएगी। इसके लिए व्यापारियों ने पहले से ही तैयारी भी करके रखी हुई थी। दिन में तो व्यापारी ग्राहक का इंतजार करते रहे, लेकिन शाम होते ही बाजार में लोगों की भीड़ बढ़ गई और आशानुरूप लोगों ने खरीदी की।

कोरोना का संकट खत्म होने के बाद सभी को दीपावली पर्व से खासी उम्मीदें है। इसके पहले पुष्य नक्षत्र पर व्यापारियों ने ग्राहकों के लिए तैयारी कर रखी थी। इस दिन बाजार में लोग ग्राहकी के लिए आए। जिससे बाजार में चहल-पहल बढ़ी। हालांकि व्यापारियों को अभी-भी अच्छी ग्राहकी का इंतजार है। मंगलवार को पुष्य नक्षत्र में भी लोगों ने बाजार में उपस्थिति दर्ज कराई और इस दिन करोड़ों का व्यापार हुआ। लोगों ने भूमि-भवन के सौदे और ऑटोमोबाइल सेक्टर में मुख्य रूप से बूम रही। जिलेभर में सैकड़ों वाहनों की बिक्री हुई। इससे करीब डेढ़ करोड़ रुपए का कारोबार हुआ तो चार पहिया वाहनों के प्रति भी लोगों ने रूचि दिखाई। जिससे इस क्षेत्र में करीब 3 करोड़ रुपए का कारोबार हुआ। इसके अतिरिक्त इलेक्ट्रॉनिक, कपड़ा, बर्तन, किराना में भी अच्छा व्यवसाय हुआ। व्यापारियों का मानना है कि अभी तो ग्राहकी कमजोर रही, लेकिन धनतेरस से बाजार में बूम आ जाएगा।

बहिखातों की जमकर हुई खरीदारी

व्यापारी वर्ष भर हिसाब-किताब लिखने के लिए बहिखातों की खरीदी भी पुष्य नक्षत्र पर विशेष मुहूर्त में करतें हैं। ऐसे में पुष्य नक्षत्र पर अनेक व्यापारियों ने बहिखातों की खरीदी की। इस दौरान बहिखाता के विक्रेताओं द्वारा ग्राहकों को प्रतिष्ठान के अंदर बैठने की व्यवस्था की गई। वहीं पूजन सामग्री भी रखी गई। जिससे व्यापारियों ने शुभ मुहूर्त में बहिखातों की खरीदारी करके विधिवत पूजन के बाद उन्हें उठाया और अपने साथ ले गए।

बर्तन व्यापारी बंटी जैन ने बताया कि, इस बार काफी मंदा व्यापार रहा है क्योंकि पानी गिरने की वजह से किसान लोग मार्केट करने नहीं आए हैं और अभी भी मौसम बहुत खराब हो रहा है। इसलिए किसान लोग मार्केट करने नहीं आ पा रहे हैं। इस बार दीपावली बहुत ही फीकी नजर आ रही है।

स्वेच्छिक संगठनो की क्षमता वृद्धि हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

माही की गूंज, बड़वानी।

म.प्र जन अभियान परिषद जिला बड़वानी द्वारा स्वैच्छिक संगठनों का क्षमता वृद्धि हेतु एक दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन बुधवार को जलसा रिसोर्ट के सभागृह में किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता एवं अतिथियो के रूप मे रामसागर मिश्रा पर्यावरण के जिला संयोजक एवं भगवान सेप्टा सामाजिक कार्यकर्ता व विद्या भारती के प्रदेश उपाध्यक्ष उपस्थित रहे।

कार्यक्रम मे सर्वप्रथम जन अभियान परिषद् की जिला समन्वयक सुश्री ज्योति वर्मा द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा की विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। रामसागर मिश्रा ने स्वैच्छिक संगठनों द्वारा सामाजिक,धार्मिक एवं विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसी के साथ उन्होंने बताया कि, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद एवं स्वैच्छिक संगठन आपस में मिलकर शासन की योजनाओं को सबसे निचले स्तर तक लाभ पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं एवं जन अभियान परिषद के गठन का मुख्य कारण समाज व शासन के बीच सेतु का काम करना है। शासन के विभिन्न कार्य सुचारू रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित हो सके एवं जन जागरण से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंच सके इसी के साथ उन्होंने कुछ उदाहरण देते हुए बताया कि, पर्यावरण व नशामुक्ति पर ध्यान देना अति आवश्यक है।

भगवान सेप्टा द्वारा अपने उद्बोधन में बताया गया कि, किसी कार्य को करने के लिए प्रशिक्षण और प्रबंधन की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि किसी भी ग्राम को आदर्श ग्राम बनाने के लिए स्थानीय ग्रामीण जनों का सहभागी होना अति आवश्यक है। उन्होंने कुक्षी के पास नवादा ग्राम का उदाहरण देते हुए बताया कि ग्रामीण जनों की सहभागिता से ही वह आदर्श ग्राम बना है। जिसे देखने के लिए प्रदेश भर से लोग आते हैं इसलिए ग्रामीणों की सहभागिता होना बहुत जरूरी है एवं ग्रामीण जन यदि गांव में किसी एक विषय पर पर भी निरंतर कार्य करते रहे उससे ग्राम में कुछ समय के बाद अच्छा परिवर्तन देखने को मिलेगा।

अतिथियों के उद्बोधन के पश्चात उपस्थित प्रतिनिधियों को नशा मुक्ति पर ग्रामीण क्षेत्रो मे कार्य करने के लिए कहा गया ओर शपथ दिलाई गई। प्रशिक्षण के प्रथम सत्र में श्री नरेंद्र सिंह तंवर द्वारा जन अभियान परिषद की समस्त योजनाओं एवं परिचय की विस्तृत जानकारी दी गई।

द्वितीय सत्र में श्री कुंदन कुमार द्वारा स्वैच्छिक संगठनों का महत्वपूर्ण अधिनियम में पंजीयन एवं नियमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पर प्रशिक्षण दिया गया।

तृतीय सत्र स्वयंसेवी संस्थाओं की संरचना एवं प्रबंधन पर श्री राजेश राठौड़ द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई। पंचम सत्र भगतराम दायमा द्वारा अनुश्रवण एवं मूल्यांकन पर लिया गया।

अंतिम यात्रा मुकेश मत कर द्वारा सामाजिक अंकेक्षण एवं प्रभाव का विश्लेषण पर उपस्थित प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम का संचालन नरेन्द्र तंवर एवं आभार सुश्री ज्योति वर्मा जिला समन्वयक जन अभियान परिषद बडवानी द्वारा किया गया। कार्यक्रम मे जिले के समस्त ब्लॉक समन्वयको सहित स्वैच्छिक संगठनों के प्रतिनिधि वपूर्व नवांकुर संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

केन्द्रीय जेल में भी लगाई गई नशा मुक्ति दान पेटी

माही की गूंज, बड़वानी।

मध्य प्रदेश शासन के द्वारा 2 अक्टूबर से 30 नवंबर तक नशा मुक्ति अभियान चलाया जा रहा है। जिसके अन्तर्गत बुधवार को केंद्रीय जेल बड़वानी में सर्किल जेल अधीक्षक डी.एस. अलावा के नेतृत्व में ''मनोरक्षा'' नशा मुक्ति परामर्श केन्द्र द्वारा जेल में बंदियों को नशे से होने वाले दुष्परिणाम और उसे छोड़ने के उपायों को लेकर शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में परामर्शदात्री श्रीमति हर्षा काले टेकाम तथा सहायक श्री रविन्द्र टेकाम द्वारा बंदियों को नशे से होने वाले पारिवारिक ,सामाजिक प्रभाव एवं बचाव के बारे मे परामर्श दिया गया। बंदियों को आवश्यकता होने पर काउंसलिंग भी करने हेतु विशेष सत्र आयोजित करने को लेकर संस्था द्वारा आश्वस्त किया गया। जेल अधीक्षक श्री अलावा द्वारा भी बंदियों को नशे से होने वाले परिणामों को अत्यंत रोचक तरीके से उदाहरण देकर समझाया गया।

कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा के निर्देशन में नशामुक्ति अभियान के अंतर्गत जेल परिसर में विभिन्न स्थानों पर नशामुक्ति पेटी लगाई गई है। जिसमें बाहर से मुलाकात हेतु आए बंदियों के परिजनों व आगंतुकों को स्वेच्छा से नशीली वस्तुएं त्यागने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। बंदियों को जेल के अंदर रहते हुए किसी प्रकार की नशे की वस्तुएं नही मिलती जिससे उनकी नशे की आदत छूट जाती है। जेल से रिहा होने पर उन्हें पुनः नशे की ओर अग्रसर न होने हेतु जेल अधिकारियों द्वारा प्रेरित किया जाता है।

कार्यक्रम में उप जेल अधीक्षक श्रीमति कुसुमलता डावर, मेल नर्स महेन्द्र पाटीदार एवं स्टाफ भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार सहायक अधीक्षक विनय काबरा द्वारा माना गया।

शिविर आयोजित कर न्यायाधीश ने बच्चों को पॉक्सो एक्ट की दी जानकारी

माही की गूंज, उज्जैन।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के मार्गदर्शन में तथा जिला न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अरविंद कुमार जैन के मुख्य आतिथ्य में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय फाजलपुरा में मिट्टी के दीपक सजावटी प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ-साथ विद्यालयीन बच्चों के हितार्थ पॉक्सो एक्ट, बच्चों के अधिकार एवं बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम विषय पर विधिक साक्षरता/जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला न्यायाधीश श्री अरविंद कुमार जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रत्येक निर्धन, असहाय एवं ज़रूरतमंद व्यक्ति को कानूनी सहायता पहुंचाना विधिक सेवा प्राधिकरण का प्रमुख उद्देश्य है। श्री जैन के द्वारा बच्चों को निःशुल्क विधिक सहायता एवं सलाह योजना, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो एक्ट) 2012, मप्र अपराध पीड़ित प्रतिकर योजना 2015, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, बालिकाओं के अधिकार, शिक्षा का अधिकार की जानकारी प्रदान की।

जिला विधिक सहायता अधिकारी चंद्रेश मण्डलोई द्वारा उपस्थित बच्चों को भारतीय संविधान के मूल अधिकार एवं कर्तव्य, नालसा हेल्पलाईन नंबर 15100 चाईल्ड हेल्पलाईन नंबर 1098, गुड टच बैड टच, चाईल्ड ट्रैफिकिंग, जेजेबी एक्ट, बाल विवाह एवं राष्ट्रीय एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान कर उन्हें विधिक रूप से साक्षर किया साथ विद्यार्थियों द्वारा प्रश्न पूछे जाने पर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यक्रम के अंत में योजनाओं के पंपलेट्स वितरित किये गये।

पैरालीगल वॉलेंटियर श्रीमती प्रीति गोयल द्वारा उपस्थित बच्चों को गुड टच बैड टच, चाईल्ड ट्रैफिकिंग, जेजेबी एक्ट, बाल विवाह की जानकारी प्रदान की। प्रशिक्षिका श्रीमती हेमलता ओझा एवं श्रीमती रेणु रावत द्वारा उपस्थित बच्चों को मिट्टी के दीपकों पर सजावटी कलाकारी करने का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती स्मिता करंजगांवरकर, वरिष्ठ समाजसेविका एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ.सतिंदर कौर सलूजा, समाजसेवी श्री प्रवीण जोशी, सामाजिक संस्था शुभ-संदेश सामाजिक कल्याण समिति उज्जैन की सदस्य श्रीमती मंगला पण्ड्या एवं अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा लगभग 70 विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

फरार आरोपियों को गिरफ्तार करवाने वालों को मिलेगा नगद इनाम

माही की गूंज, बड़वानी। पुलिस अधीक्षक बड़वानी दीपक कुमार शुक्ला ने थाना सेंधवा शहर के अपराध क्रमांक182/2022/धारा 295, 436, 427, 504, 34 भादवि में फरार आरोपी सेंधवा निवासी गणेश पिता पशुनाथ नरगावे, अक्षय पिता गणेश श्रीवास पर 2500-2500 रूपये का इनाम घोषित किया है। यह इनाम उक्त आरोपी का पता देने वाले या इसको गिरफ्तार करवाने वाले को मिलेगा। सूचना देने वाले का नाम सर्वथा गोपनीय रखा जायेगा।

जिला चिकित्सालय में ट्रांसपोर्टेबल ब्लड चेयर की दान

माही की गूंज, बड़वानी। जिला चिकित्सालय बड़वानी में ग्राम तलवाड़ा डेब के समाजसेवी स्वर्गीय हिमांशु गोले की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मंजूषा गोले एवं पुत्र श्री श्याम गोले एवं परिवारजनों द्वारा ब्लड बैंक जिला चिकित्सालय बड़वानी को 6 ट्रांसपोर्टेबल ब्लड डोनेशन चेयर दान की गई। साथ ही शशांक गोले द्वारा ब्लड डोनेशन भी किया गया।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अनीता सिंगारे, सिविल सर्जन डॉ मनोज खन्ना, डॉ प्रकाश यादव, डॉ जेपी नागौर आदि उपस्थित थे।

वरदान महिला संकुल संघ की वार्षिक आम सभा का हुआ आयोजन

माही की गूंज, मेघनगर।

म.प्र. डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंर्तगत संचालित वरदान महिला संकुल संघ की वार्षिक आम सभा का आयोजन आजीविका भवन मेघनगर में किया गया। संकुल स्तरीय संगठन में 36 गांव के 32 ग्राम संगठनों में गठित 350 स्वय सहायता समूह के पदाधिकारी उपस्थित हुए। जिसमें झाबुआ जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक, जिला व्यापार और उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक, जिला रोजगार अधिकारी और म.प्र. डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला परियोजना प्रबंधक मुख्य अथिति के रूप में उपस्थित हुए थे। आम सभा में संकुल के अध्यक्ष के द्वारा संकुल की अब तक की यात्रा के बारे में बताया और आय व्यय और प्राप्ति भुगतान की विस्तृत जानकारी दी और 170 समूहों को इस वित्त वर्ष में 510 लाख रुपए का नकद साख सीमा (सीसीएल) के अंतर्गत ऋण प्राप्त हुआ है। आगामी वित्त वर्ष की कार्ययोजना पर चर्चा की गई और सभी उप समितियो और कर्मचारियों की समीक्षा की गई और संकुल के अंदर उत्कृष्ट कार्य करने वाले ग्राम संगठन, स्वय सहायता समूह और बैंक सखी को पुरस्कृत किया। झाबुआ जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक, जिला व्यापार और उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक, जिला रोजगार अधिकारी ने संकुल के द्वारा अच्छा कार्य किया जाने पर प्रशंसा सभी विभाग प्रमुखों द्वारा शासकीय योजनाओं के बारे में बताया गया। जिला परियोजना प्रबंधक सर के द्वारा सभी संगठनों के नियमपूर्वक संचालन और सभी संगठनों में नेतृत्व परिवर्तन और नियमित सामाजिक अंकेषण पर विस्तृत चर्चा की गई। समूह से जुड़ी हर एक दीदी को आजीविका गतिविधियों से जोड़ना और लखपति बनाना है। इसके अलावा जिला परियोजना प्रबंधक सर ने स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अंतर्गत सभी गांवों में शौचालय का निर्माण और उपयोग करने और आजीविका भवन के पास सार्वजनिक शौचालय निर्माण के बारे में बताया। आम सभा के समापन पर संकुल के सचिव के द्वारा सभी के द्वारा उपस्थित होने पर ध्यानवाद दिया। इस कार्यक्रम में मेघनगर विकास खंड के मिशन कर्मचारी और अन्य सहयोगी संस्था के सदस्य उपस्थित थे।

जिला अस्पताल मिली नई एनेस्थेसिया मशीन मरीज के लिए साबित हुई वरदान

माही की गूंज, झाबुआ। सुरेश डामोर अपने परिवार के भरण पोषण हेतु परिवार के साथ मजदूरी करने राजकोट 8 वर्षीय अपने बेटे अजय को भी लेकर गया था। अजय किसी पेड़ पर चढ़ रहा था कि बेलेंच बिगड़ने से नीचे गिर गया इस दौरान अजय की पेट की आंत फट गई। जिसे इनके घर वाले तुरंत राजकोट में प्राइवेट हॉस्पिटल में ईलाज करवाने पहुंचे राजकोट की टीम ने मरीज अजय को अहमदाबाद रेफर का बोल दिया। मरीज के घर वाले अहमदाबाद ना ले जाते हुए जिला अस्पताल झाबुआ 30 सितम्बर 2022 को लेकर आए। यहां सारी जांचें करवाने के बाद ओटी टीम ने लगभग 3 से 3:30 घण्टे में नई पहली बार एनेस्थेसिया मशीन के सहारे सफलता पूर्वक ऑपरेशन कर दिया गया। बुधवार को मरीज अजय पिता सुरेश डामोर को स्वास्थ्य में अच्छी तरह सुधार हो जाने से डिस्चार्ज कर दिया गया है। सफ़लता पूर्वक ऑपरेशन की महत्वपूर्ण जिमेदारी निभाने में जिला अस्पताल के एम. एस. सर्जन डॉ.बी. एस. बघेल एवं पूरी ओटी टीम का सहयोग रहा।

नेहरू युवा केन्द्र ने संचालित किया मेगा स्वच्छता अभियान

माही की गूंज, बड़वानी। नेहरु युवा केंद्र बड़वानी के द्वारा मेगा स्वच्छ भारत 2.0 चलाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत बुधवार को भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले निमाड़ के गौरव शहीद भीमा नायक के जन्म ग्राम धाबाबावड़ी में जाकर स्वच्छता अभियान चलाया गया। और ग्राम में स्थित बावड़ी के अंदर तथा बावड़ी के आसपास फैले हुए प्लास्टिक वेस्ट का संग्रहण करके ग्राम के निर्जन स्थान पर ग्राम पंचायत के सहयोग से निष्पादन किया गया। जिसमें प्रकृति के दुश्मन तीन, पाउच, पन्नी, पॉलिथीन नारों के साथ लोगो को गांव या किसी भी अन्य जगह प्लास्टिक का उपयोग न करने के अपील की।

माटी शिल्पियों से किसी प्रकार की कर वसूली न किए जाने के आदेश जारी

माही की गूंज, धार। कलेक्टर डॉ. पंकज जैन ने आदेश जारी कर जिला धार अंतर्गत परम्परागत माटी शिल्पियों को उनके माटी उत्पादों (दीपक, खिलौने, सजावटी सामान) को बढावा देने हेतु स्थानीय निकायो / ग्रामीण क्षेत्रों में लगने वाले हाट बाजारों में उचित स्थान उपलब्ध कराने तथा इन शिल्पियों से किसी प्रकार की कर वसूली न की जाए ताकि मिट्टी के दियों (दीपक) के उपयोग को प्रोत्साहन मिल सके। आदेश के तहत नगरीय निकाय / ग्रामीण क्षेत्रो में निवासरत कुम्हार समुदाय के परम्परागत शिल्पियों द्वारा मिट्टी के दीपक एवं अन्य उत्पाद बनाये जाते हैं तथा इन्हें प्रमुखतः विभिन्न त्यौहारों के अवसरों पर बाजारों में विक्रय हेतु लाया जाता है।

विद्यार्थी परिषद का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

माही की गूंज, बड़वानी।

केन्द्रीय विद्यालय बड़वानी में विद्यार्थी परिषद का शपथ ग्रहण समारोह राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेरसिंह सोलंकी के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य कुन्दन राठौर ने बताया कि, प्रत्येक नवीन सत्र में विद्यालय में पाठ्य सहगामी गतिविधियों को स्वस्थ प्रतिस्पर्धी भाव से सम्पन्न कराने हेतु चार सदनों (सुभाष, टैगोर, अशोक और रमन) और छह सदस्यीय मुख्य परिषद की व्यवस्था बनी हुई है। मुख्य परिषद विद्यालय की समस्याओं के सम्बन्ध में सक्रिय रहती है, इसके बाद विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य कुन्दन राठौर ने मुख्य अतिथि डॉ. सोलंकी का पौधा भेंटकर हार्दिक अभिनंदन किया। डॉ. सोलंकी ने विद्यालय कप्तान अथर्व वर्मा, मुस्कान नारोलिया, उपकप्तान आदर्श कन्नोज, भूमिका अलावे, खेलकूद कप्तान अक्षत अनारे, कांता डावर को सेशे, बैजेस और ब्लेजर प्रदान करके पद की शपथ दिलाई। साथ ही सुभाष, टैगोर, अशोक और रमन सदन के क्रमशः कप्तानों (माध्यमिक विभाग) उज्जवल सोलंकी, साक्षी सोलंकी, अभिनव सिसौदिया, दीपशिखा खेड़े, स्वर्णिम गुप्ता, खुशी सेन, जयदीप पीपलाजे, सुहानी सचदेवा तथा प्राथमिक विभाग से सौरभ मालवीय, हर्षिता पंवार, वीर अजमेरी, आराध्या चैहान, कनिष्क बडोले, अनायजा शेख, आलोक शर्मा, नमिता कन्नोजे को भी सेशे, बैजेस प्रदान किए गए।

इस क अलावा मॉनीटर्स को बैजेस और आउटपास डॉ. सोलंकी ने प्रदान किए। इस बीच स्पोर्ट्स टीचर कमलेन्द्र ने सभी पदाधिकारियों को ड्यूटी चार्ट का वाचन कराया। तत्पश्चात चारों सदनों के द्वारा मार्चपास्ट किया गया। कार्यक्रम कीं अगली कड़ी में फ्लैग सेरेमनी सम्पन्न हुई।

कार्यक्रम के बाद मुख्य अतिथि डॉ. सोलंकी ने विद्यार्थियों और अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि कितना ही ऊँचा ओहदा क्यों न हो, हमें अहंकार से मुक्त बेहतर इंसान बनना है। हमें अपनी मातृभूमि को कभी न भूलना चाहिए। राज्यसभा सांसद ने बड़वानी जिले में शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे अपने अभिनव कार्यों का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों हेतु सभी प्रकार की सुविधाएँ जुटाने का संकल्प दोहराया।

इस अवसर पर डॉ. सोलंकी ने केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों की पार्किंग की समस्या को देखते हुए शेड बनाने हेतु पांच लाख रुपए प्रदान करने की घोषणा की। विद्यार्थी हित में घोषणा पर प्रभारी प्राचार्य कुन्दन राठौर ने आभार प्रकट किया। समारोह का संचालन हेमंत कुमार वर्मा ने, धन्यवाद ज्ञापन आभा जैन ने किया। समारोह के दौरान स्टाफ सदस्य जितेन्द्र सिंह, संतोष नारोलिया, आकांक्षा सिंह, प्रभाकर पावरा, हीरालाल मुजाल्दे आदि मौजूद थे।

सात दिवसीय माह शिवपुराण का होगा आयोजन

माही की गूंज, खरगोन/भीकनगांव। जिले की भीकनगाव तहसील में 7 दिवसीय माह शिवपुराण का आयोजन 01 नवबर से 7 चलने होने जा रहा है। उक्त आयोजन खडवा-बडोदा राज्य मार्ग पर किया जाएगा जहां कथा स्थल का कार्य प्रगति पर चल रहा है। जिसमे टैंट, शौचालय, पीने के पानी की व्यवस्था, वाहन पार्किंग की व्यवस्था आदि जोरो से हो रही है। उक्त आयोजन में माह शिवपुराण की कथा का रसपान सीहोर के ख्याति प्राप्त पण्डित प्रदीप मिश्रा के द्वारा कराया जाएगा। उक्त आयोजन के लिए विकासखंड के हर ग्राम के लगभग प्रत्येक घर से सहयोग राशि एकत्रित की गई है। आयोजन के लिए अलग-अलग समितियां गठित की गई है जो अपने तयशुदा कार्यों में अपने शतप्रतिशत दे रहे है। मुख्य आयोजन समिति के सक्रिय कार्यकर्ता परसराम मुलाला, शिव शर्मा, डॉ. हारेसिह सिकरवार अपना सराहनीय सहयोग दे रहे है।

पुत्री को मिली पिता की मृत्यु की अंत्येष्टि सहायता राशि

माही की गूंज, अकोदिया।

सोमवार को कैलाश पिता देवीलाल सूर्यवंशी (35) निवासी अकोदिया वार्ड नंबर 14 जब शाजापुर से बाइक द्वारा अकोदिया आ रहे थे, तभी आने के दौरान देवला बिहार जाड़े पर अज्ञात वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी। जिस वजह से दुर्घटना होने से कैलाश सूर्यवंशी की मृत्यु हो गई थी। इसलिए मुख्य नगर पालिका अधिकारी रमेशचंद वर्मा द्वारा मृतक कैलाश पिता देवाजी का मुख्यमंत्री संबल योजना में पात्र होने के कारण अंत्येष्टि की सहायता राशि 5 हजार रुपए नगद मृतक कैलाश की दोनों पुत्री को प्रदान की गई। मुख्यमंत्री संबल योजना में अनुग्रह सहायता राशि श्रम विभाग वरिष्ठालय चार लाख की पुत्री के आवेदन करने पर भी उनकी पुत्री के बैंक खाते में हस्तांतरण की जाएगी। उक्त बात मुख्य नगर पालिका अधिकारी रमेशचंद वर्मा के द्वारा कही गई।

थाना प्रभारी ने दिलाई नशामुक्ति, हेलमेट अभियान की शपथ

माही की गूंज, कुंदनपुर।

बरोडा स्वरोजगार विकास संस्थान झाबुआ और आजीविका मिशन संकुल केंद्र रानापुर के द्वारा संचालित महिला सिलाई ट्रेनिंग कुंदनपुर में थाना प्रभारी महोदया पल्लवी भाभोर ने प्रशिक्षणार्थियों से चर्चा की। उन्होंने महिला अत्याचार, नशा मुक्ति, और हेलमेट अभियान को लेकर महिलाओं को जागरूक किया और आरसीटी द्वारा चलाए जा रहे रोजगार मुखी कार्यक्रमों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि, आरसीटीसी से प्रशिक्षण प्राप्त कर आप सभी आत्मनिर्भर बने व अपना निजी व्यवसाय करें, अपने व्यवसाय में किसी का भी दबाव नहीं रहता है, व्यक्ति का सम्मान भी रहता है और वह निरंतर आगे बढ़ता है। इस दौरान थाना प्रभारी महोदय ने अपने नंबर भी सभी को दिए उन्होंने कहा कहीं कोई भी आपके साथ दुर्व्यवहार हो तो मुझे तत्काल फोन करें, हम अहमेशा आपकी रक्षा के लिए तत्पर रहेंगे। इस दौरान संस्था के फैकल्टी डीएस यादव व महिला सिलाई की मास्टर ट्रेनर्स चंपा लश्कर, सीआरपी गोवर्धन भूरिया व कैलाश सिंगार उपस्थित रहै।

कांग्रेस की सेना पटेल ने लगाई हैट्रीक

श्रीमती पटेल नपा अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष साबीर बाबा निर्वाचित

माही की गूंज, अलीराजपुर। इरशाद मंसुरी

स्थानिय नगरपालिका परिषद अध्यक्ष-उपाध्यक्ष पद के चुनाव की प्रकिया जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर राघवेंद्रसिंह की मोजुदगी मे समपन्न हुए। जिसमे महिला कांग्रेस नेत्री एवं पुर्व नगरपालिका अध्यक्ष सेना महेश पटेल लगातार तीसरी बार अध्यक्ष पद पर निर्वाचित घोषित की गई। सेना पटेल ने भाजपा की पार्षद सेकडी बाई कनेश को 4 वोटो से पराजित कर नपा मे अपना कब्जा बरकार रखा। श्रीमती पटेल को 11 मत मिले, वही श्रीमति सेकड़ी बाई को 7 मत मिले। श्रीमती पटेल इसके पूर्व दो बार प्रत्यक्ष प्रणाली मे नपा चुनाव मे अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुई थी। वहीं नपा उपाध्यक्ष के चुनाव मे कांग्रेस के पार्षद साबीर बाबा निर्वाचित घोषित किए गए। बाबा ने भाजपा के पार्षद राजू मोदी को 4 वोटो से पराजित कर पहली बार नपा उपाध्यक्ष बने है। इसके पुर्व बाबा की पत्नि व पुत्री वार्ड क्रमांक 12 से पार्षद रह चुकी है। श्रीमती पटेल के नपा अध्यक्ष एव साबिर बाबा के उपाध्यक्ष निर्वाचित होने पर कांगेसी नेताओ एवं कार्यकर्ताओ मे हर्ष की लहर छा गई। कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने नगर के प्रमुख चोराहो पर जमकर आतिशबाजी कर जश्न मनाया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्रीमति पटेल और बाबा का विजय जुलुस डीजे और ढ़ोल-ढमाको के साथ नगर के विभिन्न मार्गो से निकाला गया। इस दौरान नगर वासियो ने उनका हार-फूल मालाओ से जोरदार स्वागत किया। जुलुस मे जिला कांग्रेस पूर्व अध्यक्ष महेश पटेल और विधायक मुकेश पटेल ने विजय उम्मीदवारो के साथ खुली जीप मे सवार होकर आमजनों का अभिवादन स्वीकार किया। प्रशासन ने चुनाव प्रकिया के दौरान सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए थे।

हाईकोर्ट के बाद जनता दरबार से मिला न्याय

बता दे कि, विगत दिनो हुए नगरपालिका परिषद के चुनाव मे कांग्रेस के दस पार्षद, भाजपा के सात पार्षद एवं एक आम आदमी पार्टी का पार्षद निवाचित हुए है। उल्लेखनिय है कि, नवनिर्वाचित नपा अध्यक्ष सेना पटेल को एक मामले मे राज्य सरकार ने उन्हे नपा अध्यक्ष पद से हटाकर चुनाव लडने से अयोग्य कर दिया था। इस मामले को लेकर सेना पटेल ने हाईकोर्ट की शरण ली। करीब 17 माह के लंबे अंतराल के बाद सेना पटेल को हाईकोर्ट से न्याय मिला ओर वह सभी आरोपो से मुक्त हो गई। इस बार के नपा चुनाव मे सेना पटेल पुनः जनता के दरबार मे पहुंची ओर वार्ड क्रमांक 18 से चुनाव लड़कर नगर मे सर्वाधिक मतो से विजय होकर पार्षद बनी। साथ ही नगर मे कांग्रेस की सेना पटेल की सहानुभुति एवं उनके व्यवहार के चलते कांग्रेस के 10 पार्षद भी निर्वाचित होकर आए।

इन्होने दी बधाइयाँ

नवनिर्वाचित नगरपालिका अध्यक्ष सेना पटेल एवं नवनिर्वाचित नपा उपाध्यक्ष साबीर बाबा का कांग्रेसी नेताओ व कार्यकार्ताओ ने हार-फुल मालाओ एवं मुंह मिठा करवाकर स्वागत किया। इस अवसर पर क्षैत्रिय विधायक मुकेश पटेल, जिला कांग्रेस पुर्व अध्यक्ष महेश पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष ओमप्रकाश राठौर, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष केलाश चोहान, शहर कांगेस अध्यक्ष चितल पंवार, युवा विधानसभा अध्यक्ष तरुण मंडलोई, पिछडा वर्ग प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष राजेंद्र टवली, सेवादल कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुरेंद्र चोहान, कांग्रेसी नेता भीमसिंह राठौड, सानी मकरानी, उषान गरासिया, खुर्षिद अली दिवान, सुरेश सारडा, बारीक कुरैशी, धनराज थेपडिया, राहुल परिहार, अजहर चंदेरी, बापू पटेल, सर्वश सिसोदिया, राजु बामनिया, ईमरान खत्री , सुरेश राठौड, मंसुर मर्चेंट, श्याम राठौड़ सेंडी, सुरेश परिहार, जुनेद कुरैशी, अनुप सोमानी, रमेश सरपंच, मोहन प्रजापत, अमान पठान, मनीश थेपडिया, जितु देवडा, संजय सोमानी, श्याम बाबा, दौलत बोकड़िया, राहुल भयडिया, ईरफान मंसुरी, पिंटु सेन, राहुल ठकराल, अंकित माहेष्वरी, सहित सेकडो नेताओ व कार्यकर्ताओ ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष और उपाध्याय को बधाईया दी है।

नपाध्यक्ष को खिलाए भजिए

जब कांग्रेस का जुलूस नगर के हॉट गली मे पहुंचा तो यहां के मशहूर भजिए के दुकानदार वासुदेव महाराज ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष सेना पटेल एवं कद्दावर कांग्रेसी नेता महेश पटेल को स्वागत स्वरूप अपनी दुकान के गरमा-गरम भजिए खिलाए और हार-माला पहनाकर स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि, विगत माह पूर्व नगर पालिका परिषद चुनाव प्रचार के दौरान मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने नगर में जनसंपर्क कर रोड शो किया था। रोड शो के दौरान उक्त दुकानदार वासुदेव महाराज ने मुख्यमंत्री चौहान का स्वागत करते हुए भजिए खिलाए थे। जिसकी सुर्खिया और चर्चाएं जिलेभर सहित प्रदेश मे भी हुई थी। अब उक्त दुकानदार द्वारा नवनिर्वाचित नपा अध्यक्ष सेना महेश पटेल को भजिए खिलाकर फिर से सुर्खियों और चर्चाओ का केंद्र बन गए।

गोवंश में लम्पी बीमारी तथा उससे मृत्यु से दुखी ग्रामीण नहीं मनाएंगे दीपावाली

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ तथा आसपास के क्षेत्रों में विगत महीनों से गोवंश में विशेषकर गायों में लम्पी बीमारी फैली हुई है। हालांकि इस बीमारी की रोकथाम हेतु पशु स्वास्थ्य विभाग टीकाकरण कर रहा है, साथ ही पशु पालक निजी तौर पर दवाइयां खरीद कर इलाज करा रहे हैं। इसके बावजूद क्षेत्र में कई गोवंश कालकवलित हो चुके हैं।

क्षेत्र में अनेक पशुपालक कृषक जिनमें तकसिंह रावत, नारायण सिंह चौहान, राजेंद्र सिंह राठौर, लोकेंद्रसिंह राठौर, प्रेमसिंह, राजू पटेल वड़ी, कमलसिंह कनेश (भोरदु), करमसिंह पटेल (भोरदु), लोगसिंह बामनिया, जगतसिंह चौहान (आम्बी), दितलिया, मगन बघेल, रमेश बघेल, रमेश रावत सरपंच आम्बुआ, थानसिंह भयडिया उप सरपंच आम्बुआ, अमरसिंह डुडवे (मोटाउमर), रूमसिंह भूरिया (चिचलाना), भूरसिंह कनेश टेमाची आदि ने गूंज प्रतिनिधि को बताया कि, क्षेत्र में गोवंशो में फैली बीमारी तथा उससे मौत के मुंह में जा रहे। गोवंश की अकाल मौत पर क्षेत्र में मातम पसरा है। सभी ग्रामीणों ने एक स्वर में दीपोत्सव नहीं मनाने का निर्णय लिया। क्योंकि दिवाली पर (पड़वा तिथि) के दिन गाय-बैलों को सजाया जाता है। जब वे ही बीमार हो तो कैसा त्यौहार...? यह त्यौहार आगामी छोटी दीवाली यानी कि देवउठनी ग्यारस या देव दिवाली के समय मनाया जाएगा।

स्मरण रहे कि, ग्रामीण क्षेत्रों में हर धार्मिक, सामाजिक त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। यदि कोई दुख या संकट की घड़ी हो तो सामूहिक रूप से त्यौहार आगामी समय के लिए टाल दिया जाता है तथा समाज के वरिष्ठों की सर्वसम्मति से त्यौहार की तिथियां तय की जा कर त्यौहार मनाया जाता है। इस बार भी गोवंश की बीमारी के कारण त्यौहार टाल दिए गए हैं।

शांतिवन के टीन शेड हुए जर्जर, सामाजिक कार्यकर्ता व पूर्व पार्षद ने उठाई आवाज

माही की गूंज, शुजालपुर। अजय राज केवट

शहर में स्थित सीटी व मंडी के प्रमुख शांतिवन में व्याप्त भिभिन्न समस्याओं को सामाजिक कार्यकर्ता पूर्व पार्षद प्रवीण जोशी ने स्थानीय प्रशासन के समक्ष एक आवेदन पत्र के माध्यम से रखा। जिसमें नगर पालिका क्षेत्र शुजालपुर सीटी व मण्डी में स्थित मुक्तिधाम में लगे टीन शेड की चद्दर जगह जगह से उखड़ चुकी है। बड़े-बड़े छेद हो गए हैं साथ ही चद्दर की चद्दर ही गायब हैं। विगत दिनों बारिश के चलते नगर व क्षेत्र वासियों को परिवार जनों को अंतिम संस्कार करने में परेशानी का सामना करना पड़ा।

उक्त दोनों शांतिवन (श्मशान घाट) में टीन शेड क्षतिग्रस्त है। जिसकी मरम्मत की जाना अति आवश्यक है। साथ ही सीटी मंडी मार्ग नव निर्मित कांपलेक्स से शांतिवन तक कई सालों पूर्व सी सी रोड बना था वह भी क्षतिग्रस्त हो चूका है। जिससे अर्थी उठाकर लेजाने वालों के साथ वृद्धजनों व अन्य लोगों को साथ साथ पैदल चलना भी दुर्भर हो गया है उक्त मार्ग पर पुनः सीसी निर्माण कार्य किया जाए। इसी प्रकार मंडी स्थित मुक्तिधाम के नजदीक बने अंतिम बार जल अर्पित करने वाले ओटले के आसपास सीसी कार्य कीया जाना अति आवश्यक है। दोनों जगह के शांतिवन में निकाय द्वारा लगाए गए कुछ लैंप बंद पड़े लैम्पों को चालू करने एवं कुछ विधुत पोलों पर नए लैंप भी लगाए जाना आवश्यक है। जन हित में उक्त समस्याओं के निदान हेतु पूर्ण आशा और विश्वास के साथ नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती बबिता बेनी परमार एवं नपा सीएमओ निगहत सुल्ताना को एक पत्र प्रेषित कर शीघ्र ही आवेदन पर अमल कर शांतिवन में व्याप्त विभिन्न समस्याओं से निजात दिलाने हेतु पुरजोर मांग की।

टीकाकरण अभियान के तहत सीबीओ की बैठक का हुआ आयोजन

माही की गूंज, सोण्डवा।

विकासखंड में आजाद विकलांग कल्याण समिति के कार्यालय में सम्पूर्ण एवं नियमित टीकाकरण जागरूकता अभियान के तहत सीबीओ की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें अलीराजपुर जिले की सोण्डवा एवं उदयगढ़ विकासखंड से चयनित 20 गांव से सीबीओ सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों को हाऊस-होल्ड सर्वे के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई, साथ ही अपने-अपने गांवों में सम्पूर्ण एवं नियमित टीकाकरण जागरूकता संबंधी गतिविधियां संचालित करने हेतु निर्देशित किया गया। वहीं कोविड-19 टिकाकरण हेतु जागरूकता गतिविधियों को संचालित करने की सलाह दी। बैठक के दौरान आगामी कार्ययोजना तैयार की गई। इस अवसर पर आजाद विकलांग कल्याण समिति अलीराजपुर के अध्यक्ष कमलेश राठौर, जिला प्रोजेक्ट संयोजक दिनेश चौहान, मनोज वसुनिया, कमलेश ताहेड़ एवं सभी सीबीओ सदस्य उपस्थित थे।

विधायक ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र, लंपी वायरस की रोकथाम हेतु इंतजाम करने की मांग की

माही की गूंज, अलीराजपुर।

विधायक मुकेश पटेल ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया है कि, प्रदेश में लंपी वायरस अपना कहर तेजी से बरपाता जा रहा है, ग्रामीण इलाकों से लेकर शहरों तक काफी संख्या में पशुओ की मौत भी होती जा रही है। हमारे अलीराजपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादातर खेती बैलों से जुताई की जाती है। एक बैल जोड़ी की किमत लगभग 70 से 80 हजार होती है ऐसे में किसानो के लिए बैल, गाय और भैस को लंपी बिमारी से बचाया जाना अतिआवशयक है। दुधारू पशुओं में लंपी स्किन वायरस फैलने से प्रदेश व जिले के ग्रामीण और शहरी इलाकों में जिन परिवारों की आमदनी बैल और गाय-भैसों पर आश्रित है। उनके सामने जीवनयापन का संकट भी है, संक्रमित गायों के दूध का सेवन इंसानों को करना चाहिए या नहीं इसे लेकर भी लोगो के मन में शंका बनी हुई है। अभी तक इस जानलेवा लंपी वायरस का फैलाव देश के 15 राज्यों तक पहुंच चुका है।

विधायक पटेल ने मुख्यमंत्री को पत्र लिख कर मांग की है कि, इस समस्या को गंभीरता से ले और प्रदेश के ग्रामीणों से लेकर शहरों तक बढ़ते लंपी वायरस की रोकथाम के लिए व्यापक इंतजाम किया जावें और जिन परिवारों की आमदनी दुधारू पशु गाय-भैस पर आश्रित होकर उनके जीवनयापन की इस संकट घड़ी में सरकार द्वारा आर्थिक योजना बनाई जाकर पीढ़ीत परिवारों को राहत पैकेज दिया जाए।

राष्ट्रीय स्वयं सेवकों के पथ संचलन में युवाओं ने दिखाया जोश

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ में राष्ट्रीय स्वयं सेवकों का अनुशासनात्मक पथ संचलन का कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसमें इस बार युवाओं का जोश प्रशंसा योग्य कहा जा सकता है। कार्यक्रम की रूपरेखा गणवेश वितरण, आमंत्रण आदि सभी कार्य युवा टोली ने संभाला।

संघ का यह पथ संचलन आम्बुआ कस्बे में शाम 4 बजे से पंचायत प्रांगण में एकत्रित संघ कार्यकर्ताओं ने अनुशासन के साथ कदम ताल तथा देशभक्ति के नारे एवं जय-जय सियाराम के नारों के साथ निकाला। सभी ने राष्ट्रीय स्वयं सेवकों के गणवेश के साथ हाथों में केसरिया ध्वज लेकर पथ संचलन में भागीदारी की। पथ संचलन पंचायत प्रांगण से प्रारंभ होकर कस्बे में इंदिरा आवास, पुराना तथा नया बस स्टैंड से श्री गणेश मिनरल तक जाकर पुनः पंचायत प्रांगण में आया, जहां पर संघ के जिला प्रचारक अनिल परमार ने बताया कि, यह संगठन समाज निर्माण में अपनी अहम भूमिका निर्वाह करता है। यह कोई राजनीतिक दल नहीं है। इस अवसर पर उपखंड संचालक राजू रावत, भुवान परमार (खंड कार्यवाह) तथा संघ के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने लम्पी रोग और उपचार का लिया जायजा

माही की गूंज, अलीराजपुर।

कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने जोबट क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों उबलड गुडा बोरझाड छोटी जुवारी बडी जुवारी सेवड आदि ग्रामों का निरीक्षण करते हुए पशुओं में लम्पी रोग तथा उनके उपचार तथा टीकाकरण की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने ग्रामीणों से चर्चा करते हुए पशुओं को लम्पी रोग से बचाव हेतु जारी आवश्यक दिशा निदेर्शों का पालन करने का आह्वान करते हुए मैदानी अमलें को आवश्यक दिशा निदेर्श दिए। उन्होंने शत प्रतिशत टीकाकरण के निर्देश दिए तथा लम्पी वायरस संबंधित जानकारी मिलने पर तत्काल पशुओं के इलाज एवं टीकाकरण संबंधित निर्देश दिए। इस दौरान एसडीएम जोबट डीएन सिंहए डीडीए पशुपालन जीएस सोलंकी सहित अन्य मैदानी अमला उपस्थित था।

केंद्रीय गृहमंत्री व मुख्यमंत्री की अपील के बाद डॉक्टर ने हिंदी में दवाई का पर्चा लिखना किया शुरू

माही की गूंज, मंदसौर।

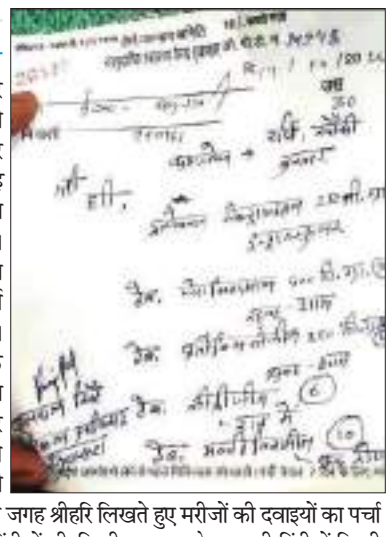

हिंदी दिवस पर केंद्रीय गृहमंत्री की हिंदी में डॉक्टरी की पढ़ाई और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अपील का असर दिखने लगा है। जिले के डॉक्टरों ने अब हिंदी में दवाईयों की पर्चे लिखना शुरू किया है। सुवासरा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर बृजपाल सिंह ने मुख्यमंत्री के मन की इच्छानुसार आरएक्स की जगह श्रीहरि लिखते हुए मरीजों की दवाइयों का पर्चा लिखना शुरू किया है। हिंदी में श्रीहरि की शुरुआत के साथ ही हिंदी में लिखी दवाइयों का एक पर्चा सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। इसकी आमजन सराहना भी कर रहे है।

वहीं हिंदी में पर्चा लिखने वाले मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर बृजपाल सिंह ने बताया कि, मुख्यमंत्री ने बोला तो हमने भी हिंदी में पर्चा लिखने की कोशिश की है। लेकिन हिंदी में पर्चा लिखने में समय ज्यादा लगता है। जब मरीजों की भीड़ होती है तो हिंदी में पर्चा लिखना मुश्किल होता है। इसलिए शुरुआत में जब ज्यादा मरीज नहीं होते तो हिंदी लिखने की कोशिश कर रहे है।

हेलमेट अभियान अंतर्गत युवाओं ने ली हेलमेट पहनाने की शपथ

माही की गूंज, शाजापुर।

एसपी जगदीश डावर के नेतृत्व में 6 अक्टूबर से 20 अक्टूबर 2022 तक चलाए जा रहे हेलमेट जागरूकता तथा कार्रवाई अभियान में जिला शाजापुर पुलिस बल द्वारा कार्रवाई लगातार जारी है। उच्च न्यायालय जबलपुर एवं पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा आवश्यक कार्रवाई के निर्देश प्राप्त होने पर जिला शाजापुर के सभी थानों द्वारा हेलमेट जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

हेलमेट जागरूकता अभियान अंतर्गत यातायात पुलिस शाजापुर के सूबेदार सतेन्द्र सिंह राजपूत, सूबेदार रविशंकर वर्मा एवं थाना यातायात शाजापुर की टीम द्वारा स्टेडियम ग्राउंड में एकत्रित खिलाड़ी युवाओं को हेलमेट पहनने करने का अनुरोध किया गया। साथ ही उन्हें हेलमेट से होने वाले फायदे, शासन द्वारा चलाई जा रही गुड सेमेरिटन योजना एवं अन्य यातायात नियमों के सम्बन्ध में जानकारी दी गई। इस मौके पर युवाओ को दो पहिया वाहन चलाते समय हमेशा हेलमेट धारण करने की शपथ दिलाई गई। तक़रीबन 100 युवा खिलाडियों ने स्वयं और उनके परिवार को भी हमेशा हेलमेट पहन कर ही दो पहिया वाहन चलाने की शपथ ग्रहण की।

उल्लेखनीय है कि, कलेक्टर दिनेश जैन के माध्यम से जिले के समस्त विभाग प्रमुखों को पत्र द्वारा अपने-अपने विभागीय कार्यालयों में अधिकारियों कर्मचारियों को हेलमेट पहनने एवं सभी पेट्रोल पंप संचालको को बिना हेलमेट पेट्रोल विक्रय न किये जाने के सम्बन्ध में निर्देश जारी किए गए हैं। थाना यातायात शाजापुर तथा जिले के समस्त थानों द्वारा अभियान में पुलिस टीम का गठन कर मुख्य चौराहों पर लगातार चालानी कार्रवाई की जा रही है।

जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

माही की गूंज, शाजापुर।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बुधवार को ग्राम कुम्हारियापाल में महिलाओं व बच्चों से संबंधित योजनाओं की जानकारी देने के लिए जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान सहायक संचालक सुश्री नीलम चौहान ने लाड़ली लक्ष्मी योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं बालिकाओं को सुरक्षित-असुरक्षित स्पर्श की जानकारी, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 एवं महिला हेल्पलाइन नम्बर की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने उपस्थित महिलाओं को बताया कि, परिवार में बच्चे व पुरूष नशीली पदार्थो का सेवन न करें, नशे के कारण होने वाले परिवार के बिखराव को रोकें और गांव को नशामुक्त बनाएं। इस अवसर पर पर्यवेक्षक श्रीमती किरण परमार द्वारा महिलाओं व बच्चों को संतुलित खानपान के बारे में समझाइश देते हुए एनीमिया से बचाव एवं स्वस्थ बच्चे के शरूआती एक हजार दिवस पर बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में बताया। इस दौरान उपस्थित प्रधान अध्यापक गंगाराम चौहान ने बेटियों को पढ़ाने की समझाइश देकर बाल विवाह न करने का अनुरोध किया। इस अवसर पर गांव की महिलाएं एवं बच्चे व आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आशा भिलाला भी उपस्थित थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422